दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
epaper.swarnimpradesh.in
संरक्षक: मां वैष्णो देवी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।
ईमेल: swarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

वर्ष : 8 • अंक : 221 • मुंबई, शुक्रवार 13 फरवरी, 2026 • पृष्ठ : 6 • मूल्य: 2 रुपये • संपादक : सुनील कुमार तिवारी • Email: swarnimpradesh@yahoo.com
www.swarnimpradesh.in

114 राफेल और छह P-8I एयरक्राफ्ट की डील पर रक्षा मंत्रालय की मुहर

फ्रांस से राफेल फाइटर जेट के साथ मीटियोर और हैमर मिसाइलों का भी होगा सौदा

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत ने फ्रांस से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने का बड़ा प्रस्ताव मंजूर कर दिया है। रक्षा खरीद परिषद (DAC) ने गुरुवार को इस शुरुआती प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। इस डील की अनुमानित कीमत 3.25 लाख करोड़ रुपये है। यह सौदा फ्रांस की कंपनी डासॉल्ट एविएशन के साथ होगा और जल्द ही दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक और तकनीकी बातचीत भी शुरू की जाएगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारतीय वायुसेना (IAF) की स्क्वाड्रन ताकत घटकर सिर्फ 29 रह गई है, जबकि स्वीकृत संख्या 42 है। पिछले कुछ महीनों में पुराने विमानों की सेवानिवृत्ति की वजह से ऐसा हुआ है। सितंबर में भारत ने अपना पुराना MiG-21 बेड़ा पूरी तरह सेवानिवृत्त कर दिया। इसके बाद जल्द ही MiG-29 के शुरुआती वेरिएंट, जगुआर और मिराज 2000 जैसे विमान भी रिटायर होने वाले हैं। इनके कारण वायुसेना में लड़ाकू विमानों की कमी गंभीर समस्या बन गई है। पड़ोसी देशों के साथ बढ़ते तनाव ने भी सेना के आधुनिकीकरण

की जरूरत को और तेज कर दिया है। ऐसे में 114 नए राफेल जेट वायुसेना को पहले से ज्यादा मजबूत बनाएंगे। राफेल पहले से ही भारतीय वायुसेना में सेवा में हैं। 2016 में भारत ने फ्रांस से 36 राफेल जेट खरीदे थे, जो अब पूरी तरह ऑपरेशनल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। पहले भारत ज्यादातर हथियार और मशीनरी आयात करता था, लेकिन अब स्थिति बदल रही है। 1980 के दशक से ही स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने की कोशिशें चल रही हैं, लेकिन असली सफलता पिछले दशक में मिली जब तेजस फाइटर जेट को शामिल किया गया। तेजस MiG-21 जैसे पुराने सोवियत विमानों की जगह ले रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) को पहले से ही 180 तेजस Mk-1A वेरिएंट का ऑर्डर मिला हुआ है, लेकिन GE एयरोस्पेस की इंजन सप्लाई चेन समस्या के कारण डिलीवरी अभी शुरू नहीं हो पाई है। राफेल सौदे में भी मेक इन इंडिया का बड़ा रोल होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ जेट फ्लाई-अवे कंडीशन में फ्रांस से आएंगे, जबकि बाकी भारत में ही बनाए जाएंगे, जिसमें भारतीय कंपनियां पार्टनर होंगी। भारतीय वायु सेना ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान में आतंकवादी मुख्यालयों को सफलतापूर्वक नष्ट करने के बाद पाकिस्तानी वायु सेना के ठिकानों पर हमला करने के लिए उनका फिर से बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया, जिसमें भी स्कैल्प की सटीकता रही। वायु सेना ने पाकिस्तानी वायु सेना के 12 प्रमुख हवाई ठिकानों पर हमला किया और बड़ी संख्या में उच्च मूल्य वाले लक्ष्यों को नष्ट कर दिया, जिनमें लड़ाकू जेट और जमीन पर जासूसी विमान शामिल थे। भारतीय वायु सेना अपने राफेल जेट के बेड़े के लिए बड़ी संख्या में मीटियोर एयर टू एयर मिसाइल का ऑर्डर देने की प्रक्रिया में है। भारतीय वायु सेना के पास अभी 36 राफेल हैं। अब 114 विमानों का सौदा होने के बाद भारत के पास कुल राफेल ऑर्डर 186 जेट्स हो जाएंगे, क्योंकि भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम का 63 हजार करोड़ का पहले ही ऑर्डर दिया जा चुका है। राफेल विमानों में तीन तरह की मिसाइलों का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिसमें एयर-एयर मेटियोर बीवीआर मिसाइलें, माइका मिसाइलें, स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर हैं। इन मिसाइलों को भारतीय नौसेना के लिए ऑर्डर किए गए 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों में भी एकीकृत किया जाएगा, जिनके अगले तीन से चार वर्षों में आने की उम्मीद है।

राहुल गांधी के खिलाफ सब्सटेंटिव मोशन का नोटिस, सदस्यता रद्द करने की मांग

संवाददाता

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रिविलेज मोशन नहीं, सब्सटेंटिव मोशन लाया गया है। गुरुवार को यह नोटिस बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को दिया है। दुबे का कहना है कि कांग्रेस सांसद देश को गुमराह कर रहे हैं और उनके जॉर्ज सोरोस जैसे भारत-विरोधी ताकतों से संबंध हैं। उन्होंने राहुल की संसद सदस्यता रद्द करने और चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की है। झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर को अपना नोटिस देने के बाद कहा,'कोई प्रिविलेज मोशन नहीं है, मैंने एक सब्सटेंटिव मोशन दिया है, किसी एमपी के खिलाफ आरोप लगाते हैं...क्योंकि उनकी तरह कानून की हत्या करने वाला आदमी नहीं हूं या उनकी तरह दादागिरी से ये संविधान चलाने की बात नहीं है। निशिकांत दुबे ने आगे बताया, 'मैंने एक सब्सटेंटिव मोशन दिया है। उसमें मैंने ये जिक्र किया है कि कैसे ये सोरोस फाउंडेशन के साथ, फोर्ड फाउंडेशन के साथ, यूएसऐड (USAID) के साथ मिलकर थाईलैंड जाते हैं, कंबोडिया जाते हैं, वियतनाम जाते हैं,अमेरिका जाते हैं, भारत-विरोधी ताकतों के साथ किस तरह से मिले हुए रहते हैं। इनकी सदस्यता भी रद्द हो और इनको जिंदगी भर के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित भी कर दिया जाए।' दरअसल, राहुल गांधी ने बजट सत्र में मोदी सरकार के साथ संसद में संग्राम छेड़ रखा है। वह और उनकी पार्टी स्पीकर से भी उलझने में नहीं हिचकिचाए हैं। बुधवार को राहुल ने तो भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर लोकसभा में मोदी सरकार पर देश बेच देने तक का आरोप मढ़ दिया। **शेष पेज 2 पर...**

महाराष्ट्र सरकार और टाटा ट्रस्ट्स के बीच साझेदारी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में सार्वजनिक सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। महाराष्ट्र सरकार और टाटा ट्रस्ट्स ने राज्य भर के समुदायों, विशेषकर विदर्भ और मराठवाड़ा के पिछड़े क्षेत्रों में एकीकृत विकास को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी न केवल सरकारी सिस्टम को मजबूती प्रदान करेगी, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका जैसे क्षेत्रों में डिजिटल नवाचार और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को भी सुनिश्चित करेगी। इस साझेदारी के तहत एक महत्वपूर्ण समझौता मुख्यमंत्री राहत कोष के संबंध में किया गया है। इसके जरिए छह मान्यता प्राप्त अस्पतालों के साथ एग्रीमेंट कर उन मरीजों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जो गंभीर स्वास्थ्य आपात स्थिति का सामना कर रहे हैं। **शेष पेज 2 पर...**

21 फरवरी को ब्राजील के राष्ट्रपति 5 दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे

संवाददाता

नई दिल्ली। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा 18 से 22 फरवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। वे एआई शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति भी शिरकत कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा 18 से 22 फरवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। राष्ट्रपति लूला दिल्ली में 19 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाले दूसरे एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

प्रवक्ता ने कहा कि अपनी राजकीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति लूला प्रधानमंत्री मोदी के साथ 21 फरवरी को द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। 21 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति लूला की मेजबानी करेंगी और इस दौरान भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उनसे मुलाकात करेंगे। वार्ता के दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा अतिथि के सम्मान में दोपहर के भोजन का आयोजन किया जाएगा। दोनों नेता बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग, सुधारित बहुपक्षवाद, वैश्विक शासन और वैश्विक दक्षिण से संबंधित मुद्दों सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे। राष्ट्रपति लूला के साथ उनकी सरकार के मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आ रहा है। प्रतिनिधिमंडल से जुड़े भी कई कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

मीडिया पर राहुल गांधी के बयान को लेकर रिजिजू का पलटवार

संवाददाता

नई दिल्ली। पत्रकारों पर पक्षपात के कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोप पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार किया है। रिजिजू ने कहा कि पत्रकारों को इस तरह रोकना-टोकना गलत है और यह लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि `आप जिम्मेदार लोग हैं, मीडिया के लोग हैं। आपकी जिम्मेदारी है कि आप निष्पक्ष रहें। आप हर दिन भाजपा से मिले शब्दों को लेकर पूरा शो नहीं चला सकते। आप देश के साथ अन्याय कर रहे हैं।' राहुल के इस बयान पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि पत्रकारों को इस तरह रोकना-टोकना गलत है। अगर मीडिया के सवाल पूछने पर रोक लग जाएगी तो सवाल कौन करेगा? उन्होंने

कहा कि `हमारी पार्टी ने कभी मीडिया कर्मियों को सवाल करने से नहीं रोका। मैं इतने सालों से राजनीति में हूं, विपक्ष में रहते हुए भी कभी कांग्रेस का नाम लेकर पत्रकारों को नहीं डांटा। गाली-गलौज तो दूर, हमने मीडिया पर तंज भी नहीं कसा। हमने हमेशा मीडिया को स्वतंत्रता दी है। राहुल गांधी शायद मीडिया को जवाब नहीं देना चाहते थे इसलिए तिलमिलाकर ऐसा कहा होगा। लेकिन यह ठीक नहीं है।'

किसानों ने किया अमेरिका व्यापार समझौते का विरोध, जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन

संवाददाता

नई दिल्ली। सान संगठनों ने गुरूवार को देशव्यापी धरना प्रदर्शन एवं ज्ञापन को लेकर सदर तहसील में भी भारतीय किसान यूनियन और उत्तर प्रदेश किसान सभा के ने पदाधिकारियों ने भारत अमेरिका कृषि व्यापार समझौता रद्द करो की प्रतियां जलाकर प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा है। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष राम सिंह राही ने बताया कि सस्ती विदेशी उपज से भारतीय किसान तबाह होंगे जिसमें अमेरिका भारत की खेती भारी सब्सिडी पर आधारित पूरी तरह मशीनी कृताओं बडे कार्पोरेट फार्म माडल पर आधारित है ,अगर भारत सोयबीन ,मक्का ,गेहूं ,डेयरी उत्पाद ,दालों पर आयात शुक्ला घटाता है तो सस्ती अमेरिका फसल भारतीय मडियों में आयेगी। इससे भार वीय किसान जो पहले ही एम एस पी की लडाई

लड रहे है। वह इस प्रतिस्पर्धा में कैसे टिकेगा , डेयरी सेक्टर पर सीधा हमला , एम एस पी और खाद्य सुरक्षा पर खतरा और सदर तहसील अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ने कहा कि बीज और कार्पोरेट नियंत्रण अमेरिका कंपनियाँ पेटेंट आधारित बीज ,बौधिका संपदा अधिकार के जरिये अपने किसानों को मजबूत और अत्मनिर्भर बनाती है। उत्तर प्रदेश किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष कामरेड रूद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि मोदी सरकार अमरीकी साम्रज्य के आगे बेशर्मी से झुकने देश क हितो के खिलाफ भारत की जनता को बोझ डालने वाले जनवादी अधिकारो को खत्म करने वाले कानून बनाकर देश को गुलामी की ओर ले जा रही है। **शेष पेज 2 पर...**

एपस्टीन विवाद पर कांग्रेस के सवाल से हरदीप सिंह पुरी पर बढ़ा सियासी दबाव

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को एप्सटीन के चक्रव्यूह में फंसाने के लिए हर संभव कोशिश में लग गई है। इसी क्रम में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने 6 तीखे सवाल उठाते हुए केंद्रीय मंत्री पर एपस्टीन के अपराधों की गंभीरता को कम आंकने का आरोप लगाया।

यह विवाद तब और बढ़ गया जब पुरी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के एक बयान का जवाब देते हुए कहा कि वह 8 वर्षों में 'पेशेवर क्षमता' में एपस्टीन से 'तीन या चार बार' मिले थे और 'तीन मिलियन ईमेल' जारी होने के बाद विवरण पहले से ही सार्वजनिक डोमेन में थे। इसके बाद खेरा ने 4 अक्टूबर, 2014 के कथित ईमेल

आदान-प्रदान का हवाला दिया, जो अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी किए गए दस्तावेजों का हिस्सा है। इस बातचीत की कथित शुरुआत का जिक्र करते हुए, उन्होंने X पर एक पोस्ट में लिखा, 'आज, हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उनके 'संपर्कों' ने उन्हें रीड हॉफमैन से मिलवाया था। लेकिन उन्होंने जो नहीं कहा, वह ज्यादा मायने रखता है। 4 अक्टूबर, 2014 को,एपस्टीन ने हरदीप को ईमेल किया 'क्या रीड से मुलाकात हुई?' हरदीप सिंह पुरी ने कुछ ही घंटों में जवाब दिया मैं आज दोपहर एक मीटिंग के लिए सैन फ्रांसिस्को में हूं। मेरे दोस्त, तुम तो चीजें करवा देते हो। कोई सलाह? एपस्टीन ने जवाब दिया 'उसे बताओ कि तुम उसकी भारत यात्रा का आयोजन करोगे, ताकि वह विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लोगों और सोशल नेटवर्किंग गुरुओं से मिल सके।' खेरा के 6 तीखे सवाल-एपस्टीन को हरदीप और रीड की मुलाकात होने से पहले ही इसके बारे में कैसे पता चल गया था? क्या एपस्टीन ही वह 'संपर्ककर्ता' था जिसने रीड हॉफमैन के साथ मुलाकात करवाई थी? हरदीप उससे मुलाकात की जानकारी क्यों साझा कर रहे थे? एपस्टीन को 'दोस्त' क्यों कहा जा रहा था? एपस्टीन हरदीप के लिए क्या कर रहा था? **शेष पेज 2 पर...**

संपादकीय

किसानों की आशंकाएं

बीते शनिवार जारी किए गए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलतः कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क कम करने और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं। इसी फिक्र के चलते हड़ताल एक चेतावनी है। यदि सरकार का मानना है कि यह समझौता वास्तव में किसानों के हितों को प्राथमिकता देता है तो उसे पारदर्शिता, संसदीय बहस और सार्थक परामर्श के माध्यम से इसे साबित भी करना चाहिए। अन्यथा, सुधारों की कहानी एक बार फिर देश के अन्नदाता की चिंताओं को दूर करने में विफल रहेगी। इसी तरह देश के सेब उत्पादकों को भी आश्वस्त करना होगा कि उनके सेब की खुशबू बरकरार रहेगी।

पेज 1 का शेष...

राहुल गांधी के खिलाफ..

संसदीय व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों को कई तरह के विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं। इसी में से एक सब्सटेंटिव मोशन भी है। यह एक स्वतंत्र और किसी खास मुद्दे के लिए दिया जाने वाला नोटिस है, जिसमें सांसदों की सदस्यता रद्द करने से लेकर राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाने या मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने की मांग की जा सकती है। अब यह लोकसभा स्पीकर पर निर्भर है कि वह दुबे के मोशन पर क्या कार्रवाई करते हैं। स्पीकर की मंजूरी के बाद यह प्रस्ताव के रूप में सदन में लाया जा सकता है और फिर संसद तय करेगी कि उसपर आगे क्या कदम उठाए जाएं। दुबे ने कहा कि वह लोकसभा में जॉर्ज सोरोस और राहुल गांधी के कथित रिश्तों का खुलासा करेंगे। भाजपा के फायरब्रांड नेता दुबे ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा है-वह लोकसभा में जॉर्ज सोरोस और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कथित रिश्तों का खुलासा करेंगे। कहा है-राहुल गांधी देश को गुमराह कर रहे हैं और सोरोस जैसी ताकतों की मदद से राष्ट्र को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हो रही है। निशिकांत दुबे ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में लोकसभा में एक प्रस्ताव (मोशन) पेश किया है। इस प्रस्ताव में राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त करने और उन्हें आजीवन चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की मांग की गई है।

महाराष्ट्र सरकार और...

इस कदम का सीधा उद्देश्य समाज के सबसे कमजोर तबके को बिना किसी आर्थिक बोझ के इलाज उपलब्ध कराना है। समझौतों पर हस्ताक्षर के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता राज्य के हर परिवार के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा, जल सुरक्षा और आजीविका के साधनों में सुधार करना है। टाटा ट्रस्ट्स की विशेषज्ञता और सरकारी मशीनरी के समन्वय से हम ग्रामीण और शहरी महाराष्ट्र के बीच के विकास के अंतर को पाटेंगे। हम ऐसे मॉडल पर काम कर रहे हैं जिससे किसानों की आय बढ़े और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने की क्षमता विकसित हो। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने इस मौके पर कहा कि हमारा लक्ष्य सरकारी विभागों और समुदायों के साथ मिलकर काम करना है ताकि हस्तक्षेप न केवल प्रभावी हों, बल्कि वे स्थानीय वास्तविकताओं से भी जुड़े हों। हम स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता जैसे कार्यक्रमों में तालमेल बिठाकर जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

किसानों ने किया अमेरिका व्यापार...

उन्होनें बताया चार श्रम कानूनो का नोटिफिकेशन मनरेगा को खत्म करके बी बी जी राम जी एक्ट लागू करना बिजली बिल, शान्ति एक्ट 2025, बीमा में 100 फीसदी एफडीआई का मंजूरी और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल बनाकर देश के युवाओं और महिलाओं को बेरोजगारी स्कूलों को बंद करना कारपोरेटस अधां-धुन्द लूट से पर्यावरण का नुकसान लोगो का विस्थापन अल्पसंख्यको, दलितो और महिलाओं के खिलाफ बढती हिंसा जैसे गंभीर मुद्दो पर मोदी सरकार चुप्पी साधे हुये है।

एपस्टीन विवाद पर कांग्रेस...

अगर उनका संबंध महज संयोगवश या सतही था, तो हरदीप एपस्टीन से 'सलाह' क्यों मांग रहा था? पवन खेड़ा ने कहा कि देखने में तो ऐसा लगता है कि हरदीप पुरी रीड हॉफमैन की भारत यात्रा की आगे की तैयारियों और व्यवस्थाओं को संभाल रहे थे। लेकिन शुरुआती संपर्क सूत्र - तैयारी की जानकारी देने वाला, बातचीत का समन्वय करने वाला और परिणामों की जानकारी प्राप्त करने वाला - असल में सभी फैसले लेने वाला व्यक्ति जेफरी एपस्टीन था। दरअसल, अमेरिकी न्याय विभाग ने दिवंगत यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधित फाइल्स के 30 लाख से अधिक अतिरिक्त पृष्ठ प्रकाशित किए हैं, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर, 2025 को कानून के रूप में हस्ताक्षरित किया था। आज के अतिरिक्त प्रकाशन में 2,000 से अधिक वीडियो और 180,000 चित्र शामिल हैं।

एल.आई.सी
भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो. 9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जाँचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाए या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

दाढ़ी और टोपी के कारण हो रहा भेदभाव: अबू आजमी

संवाददाता

मुंबई। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और विधायक अबू आजमी ने एक बार फिर अपने बयानों से सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए आजमी ने देश में मुसलमानों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और घुसपैठ जैसे गंभीर मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने सीधे तौर पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज के दौर में देश का मुसलमान खुद को 100 प्रतिशत सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है।

अबू आजमी ने आरोप लगाया कि साल 2014 में सत्ता परिवर्तन के बाद से देश का माहौल बदला है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की धार्मिक पहचान, उनकी दाढ़ी और टोपी को निशाना बनाया जा रहा है। उनके धार्मिक मामलों में बेवजह दखल दिया जा रहा है। आजमी ने ट्रेन में लातूर जा रहे एक मुस्लिम व्यक्ति पर हुए हमले का उदाहरण देते हुए कहा कि नफरत इस कदर फैल गई है कि अब पढ़े-लिखे और अच्छे लोग भी भेदभाव करने लगे हैं। उनके अनुसार, यह सब केवल सत्ता में बने रहने के लिए किया गया एक राजनीतिक प्रोपेगेंडा है। बीएमसी की मेयर रितु तावड़े के 'बांग्लादेशी घुसपैठियों' वाले बयान पर पलटवार करते हुए आजमी ने मुसलमानों की देशभक्ति का लोहा मनवाया। उन्होंने याद दिलाया कि 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' का नारा एक मुसलमान ने ही दिया था। उन्होंने कहा कि आजादी के समय से लेकर आज तक, जब भी सरहद पर जरूरत पड़ी है, मुसलमानों ने अपनी जान की कुर्बानी दी है।

मुंबई को करेंगे बांग्लादेशीमुक्त, रद्द होंगे फर्जी आधार कार्ड : शिंदे

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में 'हिंदुत्व' और 'राष्ट्रवाद' के मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक बड़ा बयान देकर हलचल मचा दी है। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने साफ कर दिया कि शहर में रह रहे अवैध घुसपैठियों के दिन अब गिनती के रह गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार मुंबई को पूरी तरह से 'बांग्लादेशी-मुक्त' बनाने के मिशन पर काम कर रही है। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कई अवैध बांग्लादेशी नागरिकों ने हेरफेर करके आधार कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज हासिल कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी बांग्लादेशी रह रहे हैं, उनकी सघन जांच होगी। उनके द्वारा बनवाए गए फर्जी आधार कार्ड और सरकारी कागजातों को वेरिफाई कर तुरंत रद्द किया जाएगा। इसके बाद इन सभी घुसपैठियों को वापस उनके देश भेजा जाएगा। विपक्ष द्वारा अक्सर 'वंदे मातरम' पर उठाए जाने वाले सवालों पर पलटवार करते हुए सीएम शिंदे ने कहा कि वंदे मातरम से किसी को एलर्जी क्यों होनी चाहिए? उन्होंने इसे राष्ट्र के सम्मान से जोड़ते हुए कहा कि हमारे देशभक्त स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम कहते हुए अपनी जान कुर्बान की है। इसमें गलत क्या है? हर भारतीय को गर्व से वंदे मातरम कहना चाहिए।

तिलक ब्रिज पर 3 माह भारी वाहनों की एंट्री बंद, दादर ट्रैफिक पर असर

संवाददाता

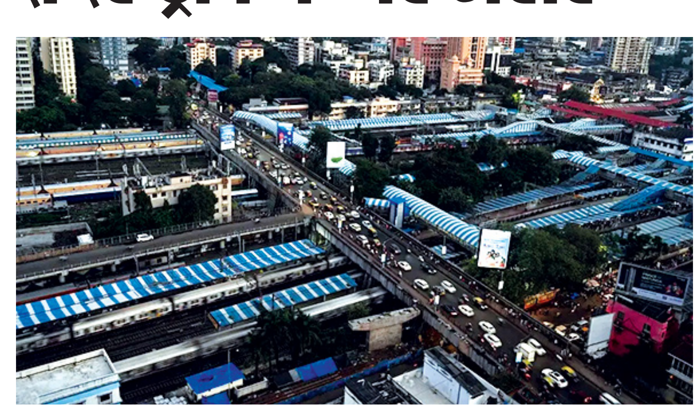

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक ट्रैफिक की समस्या पर जल्द निजात मिलती नहीं दिखाई दे रही है। मुंबई के सबसे ज्यादा आवागमन वाले व्यस्त पुलों में से एक दादर के तिलक ब्रिज पट 12 फरवरी से 12 मई, 2026 तक भारी गाड़ियों पर बैन लगा दिया गया है। मुंबई के सायन ब्रिज और एलफिंस्टन ब्रिज के काम की वजह से लगने वाले ट्रैफिक जाम से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है। मुंबई में कई ब्रिजों, मेट्रो रेल आदि कार्यों के चलते यह राज्य का सबसे ज्यादा ट्रैफिक जाम वाला शहर बन गया है। लोगों को घंटों ट्रैफिक से जूझना पड़ रहा है। मुंबई में ट्रैफिक जाम की समस्या को देखते हुए इमरजेंसी गाड़ियों के लिए रास्ता साफ करने के लिए, मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने दादर के तिलक ब्रिज पर भारी गाड़ियों पर तीन माह के लिए बैन लगा दिया है। बताया गया कि सुबह 7 बजे से रात 11 बजे के बीच इस ब्रिज से ट्रैवल, मिक्सर, डंपर, ट्रेलर और दूसरी भारी गाड़ियों की एंट्री नहीं होगी। एलफिंस्टन फ्लाईओवर और सायन रेलवे ब्रिज को फिर से बनाने का काम चल रहा है। इस वजह से, ठाणे और नवी मुंबई से आने वाले ट्रैफिक को धारावी और तिलक ब्रिज की तरफ मोड़ दिया गया है। इससे दादर और माटुंगा इलाकों में भारी जाम लग रहा है। ईस्टर्न सबर्ब्स और नवी मुंबई से आने वाली गाड़ियों के लिए दूसरा रास्ता मुलुंड, मानखुर्द और नवी मुंबई से आने वाली गाड़ियां तिलक ब्रिज के बजाय सायन हॉस्पिटल जंक्शन से दाएं मुड़ेंगी। फिर वे सुलोचना शेट्टी मार्ग, कुंभारवाड़ा जंक्शन, कटारिया मार्ग, शोभा होटल, सावरकर रोड, चैत्यभूमि, सिद्धिविनायक मंदिर और अप्पासाहेब मराठे चौक होते हुए अपने गंतव्य पर जाएंगे। भारी गाड़ियों के लिए दादर TT ब्रॉडवे जंक्शन से हिंदमाता ब्रिज, परेल वर्कशॉप, लालबाग ब्रिज के नीचे, भारतमाता सिग्नल से गरम खाड़ा सिग्नल तक दाएं मुड़कर चिंचपोकली ब्रिज से आगे बढ़ सकते हैं। इसी तरह डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर रोड से उत्तर की ओर जाने वाले ट्रैफिक के लिए भारी गाड़ियां तिलक ब्रिज की बजाय दादर TT सर्कल से माहेश्वरी सर्कल, अरोड़ा जंक्शन से सायन हॉस्पिटल, कुंभारवाड़ा जंक्शन, कटारिया ब्रिज, सावरकर रोड और सिद्धिविनायक मंदिर होते हुए जाएंगी। सेना भवन से आने वाले ट्रैफिक के लिए सेना भवन, एल. जे. रोड, शोभा होटल, कटारिया रोड से कुंभारवाड़ा जंक्शन और सुलोचना शेट्टी मार्ग का इस्तेमाल करना होगा। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को मुम्बई जिला के पालकमंत्री डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में आयोजित डीपीडीसी की बैठक में भी मुंबई की ट्रैफिक का मुद्दा उठा।

आज का राशिफल

मेष: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। धर्नाजन होगा, जोखिम न लें। प्रयत्न एवं दूरदर्शिता से सहयोग एवं समर्थन मिलेगा। पारिवारिक सुख प्राप्त होगा। जोखिम के कार्यों में सावधानी रखें।

वृषभ: विवाद से क्लेश होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वस्तुएं संभालकर रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। कहासुनी, बहस हो सकती है। विवाद समाप्त होने से शांति एवं संतोष मिलेगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा।

मिथुनः प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। मनोरंजक यात्रा होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान मिलने की संभावना है। भूमि संबंधी लेन-देन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

कर्क: अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। व्यापारिक उन्नति होगी। अनायास किसी समस्या का समाधान हो सकता है। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करना जरूरी है।

सिंहः यात्रा मनोरंजक रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ के अवसर आएँगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी। अहम का भाव मन में न पनपने दें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

कन्या: घर में अशांति रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। तनाव रहेगा। जल्दबाजी न करें। नौकरी, व्यवसाय में इच्छित वातावरण तैयार होगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों में सफलता की संभावना है।

तुलाः वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। धनार्जन होगा। आलस्य को त्यागकर प्रत्येक काम समय पर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। परोपकारी स्वभाव होने के कारण दूसरों की मदद करके सुख अर्जित करेंगे।

वृश्चिक: नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। आजीविका में प्रगति होगी। समय का दुरुपयोग न करें। अधिकारी कामकाज में सहयोग करेंगे। शत्रु भय रहेगा।

धनु: देव दर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। बाहरी सहयता मिलेगी। रुके कार्य बनेंगे। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। सोच-समझकर व्यय करें। पारिवारिक समस्याओं का हल सूझ-बूझ से करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

मकर: कष्ट, भय, तनाव का माहौल बनेगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। शत्रु पक्ष से सतर्क रहें। आपके कार्यों की परिवार एवं समाज में प्रशंसा होगी। संतान की मदद से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में नए अनुबंधों से लाभ होगा।

कुंभ: वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य कर पाएँगे। अनसोचे काम होंगे। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी रखें। व्यापार अच्छा चलेगा। कुसंगति से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

मीन: घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बाहरी सहायता प्राप्त होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अनायास समस्या सुलझेगी। व्यापार-व्यवसाय में आशानुकूल स्थिति बनेगी। संत-समागम होगा।

ऑनलाइन गेम की लतः बच्चों और युवाओं के भविष्य पर मंडराता ख़ामोश ख़तरा

डॉ. पंकज भारद्वाज

आज ऑनलाइन गेम केवल समय बिताने का साधन नहीं रहे, बल्कि कई मामलों में वे बच्चों और युवाओं के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक जीवन को गहराई से प्रभावित कर रहे हैं। जीत-हार, लेवल, वर्चुअल पहचान और अनदेखी प्रतिस्पर्धा के दबाव में कई बच्चे वास्तविक दुनिया से कटते चले जाते हैं। धीरे-धीरे पढ़ाई, परिवार, दोस्त और जिम्मेदारियाँ पीछे छूटने लगती हैं।

कैसे बनती है लत?

ऑनलाइन गेम इस तरह डिज़ाइन किए जाते हैं कि खिलाड़ी बार-बार लौटे। इनाम, चुनौती, काउंटडाउन और रैंकिंग सिस्टम मस्तिष्क में डोपामिन प्रतिक्रिया को बढ़ाते हैं। किशोर अवस्था में निर्णय क्षमता अभी विकसित हो रही होती है, इसलिए बच्चे इस चक्र में जल्दी फँस जाते हैं। लंबे समय तक स्क्रीन पर रहने से नींद की कमी, चिड़चिड़ापन, एकाकीपन, चिंता और अवसाद जैसे लक्षण उभर सकते हैं।

परिवार और समाज की भूमिका

अक्सर माता-पिता यह मान लेते हैं कि बच्चा मोबाइल पर "बस खेल" रहा है। लेकिन समय पर संवाद न होना, भावनात्मक दूरी और डिजिटल निगरानी की कमी समस्या को बढ़ा देती है। ज़रूरत है कि परिवार बच्चों से खुलकर बात करे, उनके दोस्तों, रुचियों और ऑनलाइन गतिविधियों में रुचि ले।

कुछ ज़रूरी कदम उठाएं

- **बच्चों के लिए स्क्रीन-टाइम की स्पष्ट सीमा तय करें।**
- **गेम के कंटेंट और आयु-उपयुक्तता पर ध्यान दें।**
- **घर में डिजिटल-डिटॉक्स के समय तय हों खाने, पढ़ाई और सोने से पहले खेल, संगीत, किताबें और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा दें।**
- **स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और मानसिक स्वास्थ्य पर नियमित सत्र।**

ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री पर आयु-सीमा, चेतावनी संदेश, समय-सीमा अलर्ट और जोखिमपूर्ण कंटेंट पर सख़्त नियंत्रण ज़रूरी है। साथ ही, स्कूल-कॉलेज स्तर पर काउंसलिंग सुविधाओं का विस्तार समय की मांग है। आनलाइन गेम्स के कारण हो रही दुखद घटनाएं हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि तकनीक का अंधाधुंध उपयोग किस दिशा में ले जा रहा है। बच्चों का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए परिवार, स्कूल, समाज और सरकार सभी को मिलकर सतर्क, संवेदनशील और सक्रिय होना होगा। मनोरंजन और लत के बीच की रेखा पहचानना और समय रहते हस्तक्षेप करना ही ऐसी त्रासदियों को रोक सकता है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 18 करोड़ की ड्रग्स और सोना जब्त

संवाददाता

मुंबई। मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (CSMIA) इन दिनों तस्करों के रडार पर है, लेकिन सीमा शुल्क (कस्टम) अधिकारियों की मुस्तैदी ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया है। 4 जनवरी से 11 फरवरी के बीच की गई एक सघन जांच के दौरान, अधिकारियों ने 16.7 करोड़ रुपये की संदिग्ध 'हाइड्रोपोनिक वीड' (एक उच्च गुणवत्ता वाला गांजा) और 1.6 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना, हीरे और विदेशी मुद्रा जब्त की है।

अधिकारियों ने बताया कि पिछले 40 दिनों के भीतर सात अलग-अलग यात्रियों के पास से लगभग 13.2 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड बरामद की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 13.2 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। इसके अलावा, एक अन्य कार्रवाई में

पांच यात्रियों को पकड़कर उनके पास से 3.5 किलोग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 3.5 करोड़ रुपये है। तस्करों ने इन नशीले पदार्थों को छिपाने के लिए बेहद शातिर तरीके अपनाए थे, लेकिन स्कैनिंग और खुफिया इनपुट के आधार पर उन्हें धर दबोचा गया।

सिर्फ ड्रग्स ही नहीं, बल्कि बेशकीमती धातुओं और मुद्रा की तस्करी के मामले भी सामने आए हैं। कस्टम विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार यात्रियों के पास से 104 ग्राम सोना बरामद हुआ, जिसकी कीमत 15.24 लाख रुपये है। करीब 38.28 लाख रुपये मूल्य के तराशे हुए हीरे जब्त किए गए। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने-जाने वाले यात्रियों से 1.13 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा पकड़ी गई। इस पूरी कार्रवाई के दौरान सीमा शुल्क अधिकारियों ने कुल 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (NDPS) अधिनियम और सीमा शुल्क अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। जांच एजेंसियां अब इस बात का पता लगा रही हैं कि क्या ये यात्री किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय तस्करी सिंडिकेट का हिस्सा हैं।

नए नियमों से सेकेंड ईयर में प्रवेश से वंचित हजारों छात्र

संवाददाता

मुंबई। इंजीनियरिंग परीक्षा देने के बाद अचानक नियम बदल दिए जाने से कल्याण के लगभग तीन हजार विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य संकट में पड़ गया है।

नए पासिंग नियम लागू होने के कारण इन छात्रों को दूसरे वर्ष में प्रवेश नहीं मिल पाया है, जिससे वे असमंजस और तनाव की स्थिति में हैं। प्रभावित विद्यार्थियों ने बुधवार को मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य अल्पेश भोईर से मुलाकात कर समस्या के समाधान की मांग की। छात्रों के अनुसार उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के तहत 26 मई 2025 को इंजीनियरिंग की परीक्षा दी थी। लेकिन परीक्षा के मात्र दो दिन बाद, 28 मई को

विश्वविद्यालय प्रशासन ने पासिंग नियमों में बदलाव कर दिया। पहले लागू "पांच प्लस तीन" नियम को हटाकर क्रेडिट स्कोर प्रणाली लागू कर दी गई, जिससे कई छात्रों के परिणाम प्रभावित हुए और वे पात्रता मानदंड पूरा नहीं कर सके।

विद्यार्थियों का कहना है कि नियमों में बदलाव की जानकारी परीक्षा के बाद दी गई, जिससे उन्हें नई प्रणाली के अनुसार तैयारी करने का अवसर ही नहीं मिला। छात्र शाश्वत लोखंडे ने बताया कि अचानक हुए इस बदलाव से सैकड़ों विद्यार्थियों का रिजल्ट प्रभावित हुआ और वे दूसरे वर्ष में प्रवेश से वंचित रह गए।

प्रभावित छात्र पिछले कई महीनों से प्रवेश के लिए प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि सितंबर से लगातार विश्वविद्यालय प्रशासन से संपर्क किया जा रहा है, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। छात्रों ने मांग की है कि उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्था या राहत दी जाए, ताकि वे अपनी पढ़ाई बिना बाधा जारी रख सकें।

भंडारा में नवजात बच्ची की बिक्री का खुलासा, एक गिरफ्तार

संवाददाता

भंडारा। दस दिन की नवजात बच्ची को पैसे लेकर बेचने का मामला 10 फरवरी को उजागर हुआ है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर मिली सूचना के आधार पर वरठी पुलिस और विभागीय टीम ने कार्रवाई करते हुए 10 दिन की नवजात बच्ची की बिक्री का पर्दाफाश किया है। इस मामले में एक आरोपी गोंदिया निवासी ललेश्वरी नंदकिशोर सादेपाच (39) को 8 फरवरी को हिरासत में लेकर दो दिन उससे पूछताछ की गई।

आरोपी कहीं अलर्ट न हो जाए इसलिए वरठी पुलिस से 10 फरवरी को मीडिया को यह जानकारी दी। इस मामले में लिप्त गोंदिया के एक डाक्टर समेत अन्य चार आरोपी फरार है। वरठी पुलिस आगे की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक भंडारा तहसील के पांढराबोड़ी निवासी महिला मालती प्रकाश वाघमारे (44) ने गोंदिया के

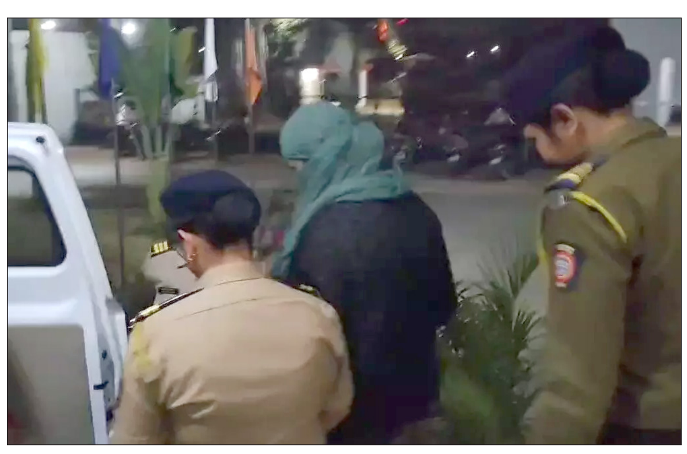

एक डॉक्टर की असीस्टंट ललेश्वरी नंदकिशोर सादेपाच (39) के खाते में बड़ी राशि जमा कर उससे बच्ची लेकर आई थी। इस मामले की भनक लगते ही वरठी पुलिस ने 8 फरवरी को आरोपी ललेश्वरी नंदकिशोर सादेपाच (39) को गोंदिया से गिरफ्तार किया और हिरासत में लेकर आगे की पूछताछ जारी है।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार चाइल्ड हेल्पलाइन को 2 फरवरी 2026 को दोपहर 12.26 बजे सूचना मिली कि, भंडारा तहसील के पांढराबोड़ी निवासी मालती प्रकाश वाघमारे (44) अपने घर 10 दिन की नवजात बच्ची लेकर आई है। सूचना मिलते ही समन्वयक लोकप्रिया देशभ्रतार और उनकी टीम ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ की। महिला ने बताया कि, वह बच्ची गोंदिया से लाई है। समन्वयक लोकप्रिया देशभ्रतार ने उसे आगे की जांच के लिए बाल कल्याण समिति के सामने उपस्थित होने के निर्देश दिए किंतु मालती वाघमारे उपस्थित नहीं हुई। 3 फरवरी को चाइल्ड हेल्पलाइन ने वरठी पुलिस को लिखित सूचना देकर मामले से अवगत कराया। 3 फरवरी को पुलिस जब मालती वाघमारे के घर पहुंची तो वह नवजात बच्ची को लेकर चौपहिया वाहन से फरार हो चुकी थी।

पुलिस ने कुशारी फाटा परिसर में नाकाबंदी कर वाहन पकड़ा। वाहन की तलाशी लेने पर मालती वाघमारे तो नहीं मिली किंतु गोंदिया के रामनगर निवासी पौर्णिमा सतीश धुर्वे के कब्जे में नवजात बालिका मिली। बच्ची के माता-पिता संबंधी कोई दस्तावेज पौर्णिमा धुर्वे के पास नहीं मिले। पौर्णिमा धुर्वे ने पुलिस को बताया कि बच्ची को इलाज के लिए नागपुर ले जाया जा रहा है। इसलिए उसे जाने दिया गया लेकिन अगले दिन 4 फरवरी को गोंदिया जिले में रहने वाले बच्ची के माता-पिता के साथ बाल कल्याण समिति के समक्ष उपस्थित होने के आदेश दिए। उन्होंने भी सामाजिक संस्था की मदद से नवजात बच्ची को इलाज के लिए नागपुर भेजे जाने की बात कही गई जो कि जांच में झूठ निकली।

इस मामले में पुलिस की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मालती प्रकाश वाघमारे ने गोंदिया के डाक्टर की असिस्टेंट आरोपी ललेश्वरी नंदकिशोर सादेपाच (39) के खाते में चेक द्वारा बड़ी राशि जमा की गई थी और इसके बदले उससे नवजात बच्ची ली गई थी। पुलिस ने आठ फरवरी को आरोपी ललेश्वरी नंदकिशोर सादेपाच (39) को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी की। उसने भी बड़ी राशि लेकर नवजात बच्ची को भंडारा तहसील के पांढराबोड़ी निवासी महिला मालती प्रकाश वाघमारे (44) बेचने की बात कबूल की। उसकी कबूली पर वरठी पुलिस ने धारा 143 (4), 137 (2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता उपधारा 80, 81 नाबालिग सुरक्षा कानून 2015 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस निरीक्षक नीलेश गिरी के मार्गदर्शन में शुरू है।

सूखी नहर में मिली जली लाश, पेट्रोल डालकर जलाने की आशंका

संवाददाता

अमरावती। पथ्रोट पुलिस थाना क्षेत्र में बुधवार, 11 फरवरी की सुबह करीब 10 बजे एक सनसनीखेज घटना सामने आई। शहानूर डैम परिसर स्थित बाघडोह गांव के खेत क्षेत्र की सूखी नहर में एक अज्ञात व्यक्ति का जला हुआ शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। खेतों की ओर जा रहे किसानों ने नहर से धुआं उठता देखा।

पास जाकर जांच करने पर उन्हें एक जली हुई लाश दिखाई दी। घटना की सूचना बाघडोह गांव के सरपंच सुभाष काकड़ ने पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पथ्रोट के थानेदार अभय चौथनकर दल-बल सहित मौके पर पहुंचे। उनके साथ ग्रामीण अपराध शाखा, अंजनगांव के एसडीपीओ मनीष ठाकरे, फॉरेंसिक टीम और श्वान पथक भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। प्रथम दर्शनी सबूतों के आधार पर पुलिस ने बुधवार को दोपहर बाद हत्या का

मामला दर्ज किया है।

प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव पर पेट्रोल डालकर आग लगाई गई। घटनास्थल पर पेट्रोल जैसी तेज गंध पाई गई है। शव का सिर और ऊपरी हिस्सा बुरी तरह जला हुआ है, जिससे पहचान करना मुश्किल हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पथ्रोट थाना क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के थाना क्षेत्रों से हाल ही में दर्ज गुमशुदगी की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। शहानूर डैम के समीप स्थित खेतों में रखवाली करने वाले लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

सीमेंट गोदाम में नियमों की अनदेखी, बीएमसी ने भेजा नोटिस

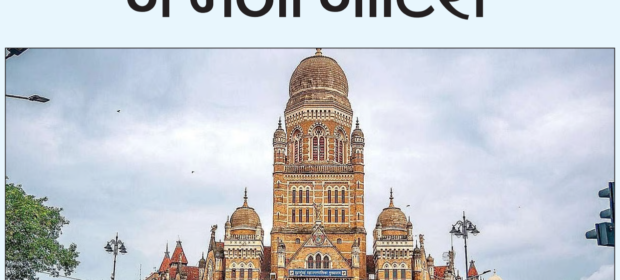

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने सख्त रुख अपनाया है। पर्यावरण विभाग ने मुलुंड स्थित सेंट्रल रेलवे के सीमेंट गोदाम को नियमों के उल्लंघन के आरोप में नोटिस जारी किया है। अधिकारियों का कहना है कि गोदाम में वायु गुणवत्ता से जुड़े कई आवश्यक मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था।

बीएमसी के मुताबिक, सीमेंट की लोडिंग और अनलोडिंग के दौरान बड़ी मात्रा में धूल उड़ रही है, जिससे आसपास रहने वाले नागरिकों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने लंबे समय से प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की शिकायतें दर्ज कराई थीं, जिसके बाद निरीक्षण किया गया। बीएमसी की विशेष टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में पाया गया कि परिसर में धूल नियंत्रण के पर्याप्त उपाय नहीं किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवश्यक कवरिंग, पानी का छिड़काव और अन्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी, जो नियमों का उल्लंघन है।

मुलुंड ईस्ट में स्थित यह गुड्स शेड रेलवे के निर्माण कार्यों के लिए उपयोग होने वाली सामग्री का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां से बड़ी मात्रा में सीमेंट विभिन्न निर्माण स्थलों पर भेजा जाता है। बीएमसी ने सेंट्रल रेलवे को निर्धारित समय के भीतर सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए सभी संस्थाओं को पर्यावरण नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। यदि निर्धारित समय में सुधार नहीं किया गया तो आगे कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासन ने नागरिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए निगरानी बढ़ाने की भी बात कही है।

तेज रफ्तार ट्रक ने 5 गाड़ियों को मारी टक्कर

संवाददाता

पुणे। पुणे के मुलशी में दोपहर का खौफनाक हादसा महाराष्ट्र के पुणे जिले के मुलशी इलाके में गुरुवार दोपहर को उस समय भारी अफरा-तफरी मच गई, जब एक बेकाबू मिनी ट्रक ने सड़क पर चल रहे वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। यह सड़क हादसा इतना भीषण था कि चंद सेकंड के भीतर ही एक के बाद एक पांच गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना का पूरा मंजर पास ही लगे एक सीसीटीवी (CCTV) कैमरे में कैद हो गया है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे देखकर सहमे हुए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों और मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, लाल रंग का यह मिनी ट्रक बहुत ही ज्यादा तेज गति में था। ट्रक की रफ्तार इतनी अधिक थी कि चालक उस पर से अपना नियंत्रण पूरी तरह खो बैठा और सामने चल रहे वाहनों को टक्कर मारनी शुरू कर दी। इस घटना के दौरान सड़क पर पैदल चल रहे राहगीरों

और अन्य वाहन चालकों को संभलने या खुद को बचाने का जरा भी समय नहीं मिला। बेकाबू ट्रक ने सबसे पहले आगे चल रही एक बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिसके बाद एक रिक्शा, एक कार और एक अन्य बाइक भी इसकी चपेट में आ गई। इस भीषण टक्कर के दौरान एक दिल दहला देने वाला मंजर सामने आया, जब ट्रक की चपेट में आई बाइक का सवार सड़क पर गिर पड़ा। ट्रक की रफ्तार इतनी थी कि उसका पहिया बाइक सवार युवक के पैर के ऊपर से गुजर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए तुरंत घायल युवक को उठाया और बिना देरी किए उसे पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां फिलहाल उसका उपचार चल रहा है।

22 साल पुराने ट्रेन लूट मामले में दो आरोपी बरी

संवाददाता

ठाणे। ठाणे जिले से न्याय व्यवस्था की कछुआ चाल और पुलिस की ढुलमुल कार्यप्रणाली का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। कल्याण की एक अतिरिक्त सत्र अदालत ने साल 2002 के ट्रेन लूटपाट मामले में दो आरोपियों को बाइज्जत बरी कर दिया है। यह फैसला इसलिए चर्चा में है क्योंकि पिछले 22 सालों में अभियोजन पक्ष (Prosecution) अदालत के सामने एक भी महत्वपूर्ण गवाह पेश करने में विफल रहा।

घटना 24 जुलाई, 2002 की है। अभियोजन पक्ष के दावों के अनुसार, आरोपियों ने कल्याण स्टेशन के पास चलती चालुक्य एक्सप्रेस में एक महिला यात्री को अपना निशाना बनाया था और उससे लूटपाट की थी। इस मामले में पुलिस ने शेख बाबू उर्फ छोटा बाबू शेख प्यारे और शेख अयूब शेख यूसुफ को आरोपी बनाया था।

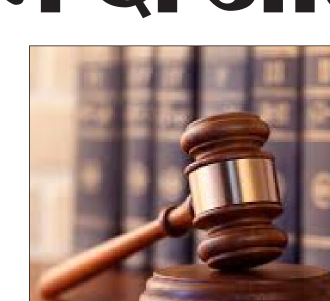

कल्याण के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पी आर अष्टुरकर ने 9 फरवरी को दिए अपने फैसले में (जिसकी प्रति हाल ही में उपलब्ध हुई) स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई सबूत नहीं है जो आरोपियों की संलिप्तता की ओर इशारा करता हो। जज ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है जो इस मामले में आरोपियों की सक्रिय भागीदारी का दूर-दूर तक संकेत देता हो। इस केस की सबसे कमजोर कड़ी यह रही कि दो दशकों के लंबे इंतजार के बावजूद पुलिस किसी भी गवाह का पता नहीं लगा सकी। अदालत ने अपने आदेश में दर्ज किया कि बार-बार प्रयास और समन भेजने के बाद भी अभियोजन पक्ष किसी भी चश्मदीद या पीड़ित को जिरह के लिए, नहीं ला पाया। पूरे मामले में केवल एक गवाह का बयान दर्ज हुआ, और वह था 'समन' तामील करने वाला पुलिस कांस्टेबल। उस कांस्टेबल ने भी कोर्ट में यह स्वीकार किया कि गवाहों का पता नहीं लगाया जा सका है।

अदालत ने अंततः यह माना कि जब कोई ठोस गवाह या सबूत मौजूद ही नहीं है, तो मामले को बेवजह लटकाए रखना समय की बर्बादी है। आरोपियों के खिलाफ कोई भी साक्ष्य न मिलने के कारण उन्हें बरी कर दिया गया। यह मामला हमारी न्यायिक प्रक्रिया में लगने वाले लंबे समय और जांच एजेंसियों की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

दिल्ली - मुंबई एक्सप्रेस-वे के काम में कुछ कारणों के वजह से हुई थोड़ी देरी - गडकरी

संवाददाता

मुंबई। केंद्र सरकार ने स्वीकार किया है कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे के काम में कुछ कारणों की वजह से देरी हुई है। इसमें भूमि अधिग्रहण, पेड़ काटने की अनुमति में देरी, जनोपयोगी सुविधाओं के स्थानांतरण में विलंब और रियायत कर्ता चूक से संबंधित मुद्दे प्रमुख वजह हैं। लोकसभा में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने

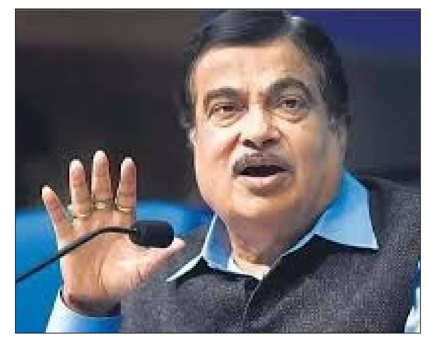

गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड के पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस परियोजना को लगभग 1350 किमी की लंबाई वाले 48 पैकेजों में विभाजित किया गया है। कुछ पैकेजों में देरी हुई है।

गडकरी ने कहा कि अब तक कार्यान्वयन की लागत समग्र कॉरिडोर की स्वीकृत लागत के भीतर है। लगभग 875 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस-वे यातायात के लिए खोल दिया गया है। इसके अतिरिक्त, गुजरात में 3 पैकेजों के कार्य को छोड़कर, जो वित्तीय वर्ष 2027-28 मे पूरा होने का लक्ष्य है, दिल्ली से वडोदरा तक के खंड के लिए पूर्ण होने की संशोधित निर्धारित तिथि मई, 2026 और वडोदरा से मुंबई तक के खंड के लिए पूर्ण होने की संशोधित तिथि जून, 2026 है।

PUNJAB CM BHAGWANT MANN FOR FINAL BLOW TO DRUGS, GANGSTERS

CHANDIGARH: Reiterating Aam Aadmi Party (AAP) government's zero-tolerance policy towards narcotics and organised crime in Punjab, chief minister Bhagwant Mann on Thursday directed the senior police officers to step up enforcement and ensure that the rule of law prevailed without exception across the state.

Mann who chaired a high-level meeting with the senior officers – which was also attended by chief secretary K A P Sinha and DGP Gaurav Yadav, underlined that the police drives against drugs and gangsters remained the state's foremost priorities aimed at total eradication of these from their roots.

Stating that the need of the hour now was to give a final blow to drugs and gangsters' networks, Mann exhorted the officers to play a proactive role. Introducing a system of strict performance tracking, Mann held that every officer's work was under scrutiny and that they would be rewarded for good work and they would be held accountable for any lapses.

The CM also called for a holistic approach which included expanding employment, strengthening education and roping in the education department to check the school dropout rates in drug hotspots.

Mann also sought a statewide review of arm licences to check the gun culture and immediate cancellation of any arm licence used in crime.

KANPUR LAMBORGHINI CRASH: TOBACCO TYCOON'S SON ARRESTED 4 DAYS AFTER CRASH, PRODUCED IN COURT

KANPUR: The main accused in the high profile Lamborghini crash in Kanpur, Shivam Mishra, son of tobacco businessman KK Mishra, was granted bail by a court on Wednesday. The relief came during a special hearing held amid a nationwide strike by lawyers and a boycott of court work in Kanpur. The court not only allowed Mishra's bail plea but also rejected the police application seeking his remand. Despite tense conditions in the Kanpur court complex due to the lawyers' strike, legal proceedings in the case went ahead. Police had sought remand of the accused for further questioning, but the court termed the plea baseless and dismissed it.

The court granted bail to Shivam Mishra on a personal bond of Rs 20,000. While granting bail, the court directed the accused to fully cooperate with the investigation and remain available for police questioning as and when required. Shivam Mishra was arrested on Thursday in connection with the crash that took place on VIP Road in the Gwal Toli area around 3 pm on Sunday. A Lamborghini Revuelto, valued at over Rs 10 crore and reportedly being driven at high speed, lost control and rammed into pedestrians and vehicles, including two wheelers and an e rickshaw. Several people were injured in the incident.

Eighteen-year-old e rickshaw driver Mohammad Taufiq, who was among those injured, had lodged a complaint in the case. The accused's lawyer later claimed that the complainant was not willing to pursue legal action. The case took a new turn when a man named Mohan claimed that he was driving the car at the time of the crash. Police rejected the claim, saying evidence collected during the investigation showed that Shivam Mishra was driving the luxury car when it hit pedestrians and other vehicles. Police officials said the investigation is continuing and further action will be taken based on the findings.

BLACK PANTHER & LEOPARD SPOTTED DRINKING WATER SIDE-BY-SIDE AT KARNATAKA'S BHADRA TIGER RESERVE

NEW DELHI: A remarkable wildlife encounter from Karnataka's Bhadra Tiger Reserve has captured nationwide attention, after a black panther and a spotted leopard were photographed calmly drinking water together. The breathtaking image has flooded social media, offering a rare window into the hidden world of India's forests and leaving wildlife enthusiasts in awe. Captured in the tranquil backwaters of the reserve, the frame shows the two majestic big cats standing side by side, their reflections shimmering across the still water, a moment so striking it appears almost cinematic.

The rare sighting was documented by wildlife photographer Arvind Karthik, who shared the images on his Instagram handle. Accompanied by a private guide inside Bhadra Tiger Reserve,

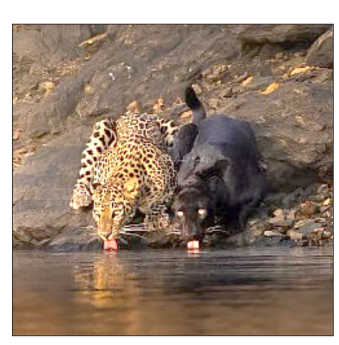

Karthik managed to capture a scene that even seasoned wildlife researchers rarely witness.

Within hours of being posted online, the photograph spread rapidly across platforms, drawing admiration from conservationists, nature lovers, and photographers alike. Seeing two adult leopards peacefully sharing space at a water source is extremely uncommon. Leopards are solitary predators and typically avoid prolonged contact with others of their kind unless during mating or when a mother is raising cubs. The presence of a melanistic leopard, commonly known as a black panther-alongside a regular leopard makes the sighting even more extraordinary. Such moments are seldom recorded in the wild, making this encounter truly exceptional. Contrary to popular belief, a black panther is not a separate species. It is a melanistic form of the Indian leopard (Panthera pardus). This dark coloration is caused by a genetic condition called melanism, which leads to excess production of melanin, the pigment responsible for darker skin and fur tones. Interestingly, under certain lighting conditions, the leopard's classic rosette patterns remain faintly visible beneath the black coat. Researchers believe melanism provides better camouflage in dense forests, especially in shadow-rich habitats like the Western Ghats.

Soon after being shared, the image dominated wildlife pages and news feeds, with users describing it as "mesmerising," "majestic," and "a symbol of India's wild beauty." Many called it a reminder of how much natural wonder still thrives within the country's protected forests. The photograph has not only gone viral but has also reignited public interest in wildlife conservation and forest protection.

स्वायत्त पशुवैद्यकीय परिषदेची स्थापना काळाची गरज : मोहन भागवत

नागपूर: पशुवैद्यकीय शास्त्राच्या क्षेत्रात स्वायत्त आणि स्वतंत्र पशुवैद्यकीय परिषदेची स्थापना करणे ही काळाची गरज असल्याचे प्रतिपादन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघाचे सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत यांनी नागपूर येथे केले. महाराष्ट्र पशु व मत्स्य विज्ञान विद्यापीठात आयोजित कार्यक्रमात ते बोलत होते.

भागवत म्हणाले की, ज्याचे काम त्यानेच केलेले चांगले असते. क्रीडा क्षेत्रात जसे खेळाडूंची आणि तज्ज्ञ प्रशिक्षकांची आवश्यकता असते, त्याचप्रमाणे प्राणी विज्ञानासारख्या गुंतागुंतीच्या क्षेत्रात संबंधित ज्ञान आणि अनुभव असलेल्या तज्ज्ञांकडे निर्णयप्रक्रिया असणे आवश्यक आहे.

"फक्त तज्ज्ञांनाच निर्णय घेण्याचा अधिकार असावा. विशिष्ट काम संबंधित तज्ज्ञांकडे सोपवले नाही तर काम बिघडण्याची शक्यता असते," असे ते म्हणाले.

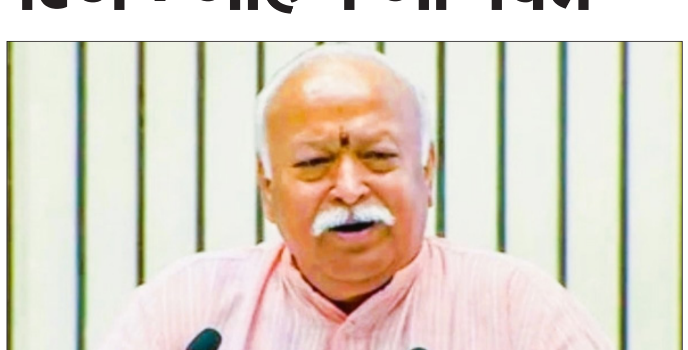

प्राण्यांचे सखोल आकलन आणि त्यांच्या आरोग्यविषयक प्रश्नांचे प्रभावी निराकरण करण्यासाठी पशुवैद्य आणि पशुवैद्यकीय शास्त्राचे महत्त्व अधोरेखित करताना त्यांनी सांगितले की, या क्षेत्रातील तज्ज्ञांचे सहकार्य सर्व स्तरांवर मिळणे गरजेचे आहे.

"आपण पशुवैद्य आहो म्हणून हे मत मांडत नाही, तर ज्या क्षेत्रांमध्ये योग्य आणि तज्ज्ञ व्यक्तींच्या हाती जबाबदारी दिली जाते ती क्षेत्रे झपाट्याने प्रगती करतात, हा अनुभव आहे," असेही त्यांनी नमूद केले.

पशुवैद्यकीय क्षेत्रात सुधारणा, धोरणनिर्मिती आणि कार्यक्षम अंमलबजावणी यासाठी समर्पित व स्वतंत्र परिषद स्थापन करण्याची गरज त्यांनी अधोरेखित केली.

या माध्यमातून पशु आरोग्य सेवा, व्यवस्थापन संरचना आणि व्यावसायिक मानदंड अधिक प्रभावी करण्यावर भर देण्यात यावा, असे आवाहन त्यांनी केले.

भारतीय नौदलाने प्रथमच संयुक्त कृती दल (सीटीएफ) 154 चे नेतृत्व स्वीकारले

नवी दिल्ली: हिंद महासागर क्षेत्र आणि त्याही पलीकडे, सहयोगी सागरी सुरक्षा आणि क्षमता निर्मितीच्यादृष्टीने भारताची वचनबद्धता अधोरेखित करणारी एक ऐतिहासिक कामगिरी करत भारतीय नौदलाने संयुक्त सागरी दलाअंतर्गत प्रमुख बहुराष्ट्रीय प्रशिक्षण कृती दल म्हणून परिचित असलेल्या संयुक्त कृती दल (सीटीएफ) 154 चे नेतृत्व प्रथमच स्वीकारले आहे.

बहरीनमधील मनामा येथील सीएमएफ मुख्यालयात 11 फेब्रुवारी 2026 रोजी कमांड बदल समारंभ पार पडला. या समारंभाचे अध्यक्षपद सीएमएफ / यूएस नेव्हसेंट / यूएस फिफ्थ फ्लीटचे कमांडर वाइस एडमिरल कर्ट ए रेनशॉ यांनी भूषवले. भारतीय नौदलाचे उपप्रमुख (डीसीएनएस) व्हाइस एडमिरल तरुण सोबती तसेच इतर सदस्य राष्ट्रांतील वरिष्ठ लष्करी अधिकारी या प्रसंगी उपस्थित होते. भारतीय नौदलाचे शौर्य चक्र कमांडर

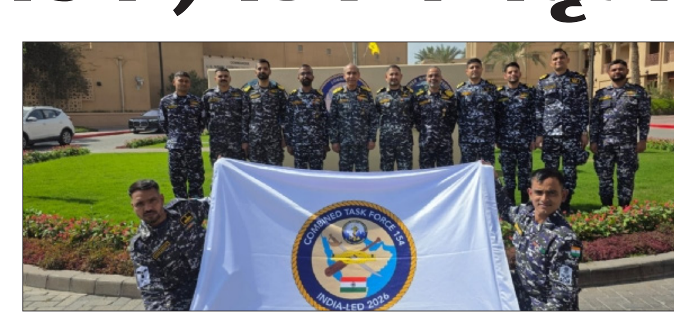

मिलिंद एम मोकाशी यांनी अधिकृतपणे इटालियन नौदलाच्या निवर्तमान कमांडरकडून सीटीएफ 154च्या कमांडरपदाची सूत्रे स्वीकारली.

संयुक्त कृती दल 154 हे प्रामुख्याने संयुक्त सागरी दलाच्या सदस्य राष्ट्रांच्या प्रशिक्षण आणि क्षमताबांधणीवर लक्ष केंद्रीत करते. यातूनच भारताचे व्यावसायिक नैपुण्य, कार्यान्वयन अनुभव आणि संयुक्त सागरी दलातील 47 राष्ट्रांपैकी एक पसंतीचा सुरक्षा भागीदार म्हणून असलेली भूमिका यावरील वाढता विश्वास प्रतिबिंबित होतो. मे 2023 मध्ये स्थापन करण्यात आलेले संयुक्त कार्यदल 154 हे मध्य पूर्व तसेच विस्तृत प्रादेशिक क्षेत्रात बहुराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमांच्या माध्यमातून सागरी सुरक्षेला बळकटी देण्यासाठी समर्पित आहे.

प्रशिक्षणादरम्यान पाच महत्त्वाच्या स्तंभांवर भर दिला जातो : सागरी क्षेत्र जागरूकता, सागरी कायदा, सागरी प्रतिबंधात्मक ऑपरेशन्स, सागरी बचाव आणि सहाय्य आणि नेतृत्व विकास. कृती दलाच्या वतीने नियमितपणे सागरी सुरक्षा वृद्धी प्रशिक्षण कार्यक्रम, कंपास रोझ आणि नॉर्दर्न/सदर्न रेडीनेस सारखे सराव आयोजित केले जातात. याशिवाय, बेकायदेशीर तस्करी, समुद्री चाचेगिरी आणि अनियमित स्थलांतर यासारख्या सामाईक धोक्यांविरुद्ध भागीदार राष्ट्रांची कार्यक्षमता वाढवण्यासाठी सहकार्य आणि जनजागृतीपर उपक्रम राबवले जातात. संयुक्त कार्यदल 154 हे संयुक्त सागरी दलाच्या इतर कार्यदलांसह समन्वयाने कार्य करते : सीटीएफ 150 (सागरी सुरक्षा), सीटीएफ 151 (चाचेगिरीविरोधी कारवाई), सीटीएफ 152 (अरबी आखातातील सागरी सुरक्षा), सीटीएफ 153 (लाल समुद्रातील सागरी सुरक्षा), भारतीय नौदल एक फलदायी कार्यकाळ, उच्च प्रभावशाली प्रशिक्षण उपक्रम आणि शांतता, समृद्धी तसेच सुरक्षेसाठी आंतरराष्ट्रीय सागरी भागीदारीला पुनर्स्थापित करण्यासाठी या संधीकडे मोठ्या अपेक्षेने बघत आहे.

मुख्यमंत्र्यांकडून पुणे जिल्ह्याच्या सर्वसाधारण जिल्हा वार्षिक योजनांचा आढावा

पुणे: मुख्यमंत्री तथा वित्त व नियोजन मंत्री देवेंद्र फडणवीस यांनी आज पुणे जिल्ह्यातील वर्ष २०२६-२७ च्या सर्वसाधारण जिल्हा वार्षिक योजनेचे प्रारुप आराखडे अंतिम करण्यासाठी दूरदृष्यप्रणालीद्वारे बैठक घेतली. शासनाने ठरवून दिलेल्या वित्तीय मर्यादेपेक्षा अतिरिक्त निधीची मागणी या बैठकीत जिल्ह्यातील लोकप्रतिनिधी आणि प्रशासनाकडून करण्यात आली आहे. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांच्याअध्यक्षतेखाली वर्षा निवासस्थान येथे आयोजित बैठकीस उपमुख्यमंत्री तथा जिल्ह्याचे पालकमंत्री सुनेत्रा पवार, ग्रामविकास मंत्री जयकुमार गोरे,

वित्त व नियोजन राज्यमंत्री ॲड. आशिष जयस्वाल, मुख्यमंत्र्याच्या अतिरिक्त मुख्य सचिव अश्विनी भिडे आणि प्रधान सचिव श्रीकर परदेशी, मित्राचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीणसिंह परदेशी आदी उपस्थित होते. तर विभागीय आयुक्त कार्यालयातून उपसभापती डॉ. नीलम गोऱ्हे, आमदार योगेश टिळेकर, भीमराव तापकीर, सिद्धार्थ शिरोळे, बापूसाहेब पठारे, ज्ञानेश्वर कटके, बाबाजी काळे, शंकर मांडेकर, हेमंत रासणे, पुणे शहराचे महापौर मंजुषा नागपुरे, विभागीय आयुक्त डॉ. चंद्रकांत पुलकुंडवार, जिल्हाधिकारी जितेंद्र डूडी, जिल्हा परिषदेचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रकांत वाघमारे, जिल्हा पोलीस अधीक्षक संदीपसिंह गिल्ल आदी उपस्थित होते. यावेळी यावेळी उच्च व तंत्र शिक्षण मंत्री चंद्रकांतदादा पाटील, नगरविकास राज्यमंत्री माधुरी मिसाळ, खासदार डॉ. अमोल कोल्हे, आमदार शरद सोनवणे, पालक सचिव व्ही. राधा, उपमुख्यमंत्री यांचे सचिव डॉ. राजेश देशमुख, पुणे शहरचे पोलीस आयुक्त अमितेश कुमार पीएमआरडीएचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेश म्हसे दूरदृष्यप्रणालीद्वारे उपस्थित होते. या बैठकीत श्री. डुडी यांनी जिल्ह्यांच्या सर्वसाधारण जिल्हा वार्षिक योजना आणि प्रारुप आरखडयाबाबत दूरदृष्यप्रणालीद्वारे सादरीकरण केले.

पाटणा सिव्हिल कोर्टाला सातव्यांदा बॉम्बने उडवण्याची धमकी

पाटणा: गुरुवारी सकाळी पाटणा सिव्हिल कोर्टाला ईमेलद्वारे बॉम्बची धमकी मिळाल्यानंतर सुरक्षेच्या कारणास्तव न्यायालयीन कामकाज थांबवण्यात आले आहे. संपूर्ण कोर्ट कॉम्प्लेक्स रिकामा करण्यात आला आहे आणि शोध मोहीम सुरू करण्यात आली आहे. सुरक्षा देखील वाढवण्यात आली आहे. अलिकडच्या काळात पाटणा सिव्हिल कोर्टाला बॉम्बची धमकी मिळण्याची ही सातवी वेळ आहे.

खबरदारी म्हणून, पोलिसांनी कोर्ट कॉम्प्लेक्स रिकामा केला आणि न्यायालयीन कामकाज पुन्हा सुरू होण्यापूर्वी कसून शोध घेतला. टाउन डीएसपी राजेश रंजन यांनी सांगितले की शोध मोहीम सुरू आहे. त्यांनी ईमेलबाबत तपशील दिलेला नसला तरी, संशयितांची ओळख पटवण्यासाठी तपास सुरू असल्याचे त्यांनी सांगितले. त्यांनी आवारात उपस्थित असलेल्या सर्वांना शांत राहण्याचे आवाहन केले. रंजन म्हणाले की कोर्ट

कॉम्प्लेक्सभोवती सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करण्यात आली आहे. दरम्यान, पूर्णियाचे खासदार पप्पू यादव यांच्याशी संबंधित एका खटल्याची सुनावणी पुढे ढकलण्यात आली आहे. वारंवार धमक्या मिळत असल्याने वकील संतप्त आहेत.

अपनी किताबें देखकर भावुक हुए अभिनेता अनुपम खेर

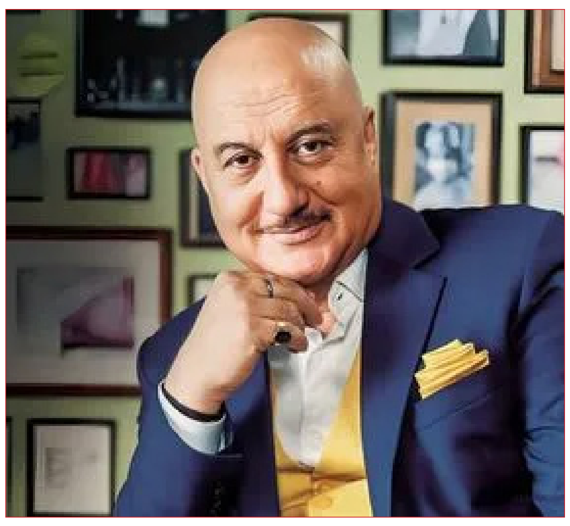

मुंबई। मुंबई से आई एक प्रेरणादायक खबर में अभिनेता और फिल्ममेकर अनुपम खेर अपने लेखक रूप को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में जब उन्होंने अपनी नई किताब 'डिफ्रेंट बट नो लेस' को एक बुकस्टोर की शेल्फ पर सजा देखा, तो वह भावुक हो उठे। इस खास पल को उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया।

अनुपम खेर ने बताया कि एक कलाकार के रूप में उन्हें हमेशा भरोसा था कि उनकी कहानियां मंच और पर्दे पर जीवित रहेंगी, लेकिन लेखक बनना उनकी कल्पना से परे था। उन्होंने स्वीकार किया कि 'लेखक' कहलाना आज भी उन्हें नया और खास एहसास देता है।

खास बात यह है कि हिंदी मीडियम से पढ़ाई करने वाले अनुपम खेर ने अपनी चारों किताबें अंग्रेजी में लिखी हैं। उन्होंने माना कि यह सफर आसान नहीं था, लेकिन भाषा उनके सपनों के रास्ते में दीवार नहीं बन सकी। उनका कहना है कि बुकस्टोर की शेल्फ पर रखी हर किताब उन्हें यह याद दिलाती है कि नई शुरुआत की कोई उम्र नहीं होती। अनुपम खेर की अब तक प्रकाशित किताबें—'लेसन्स लाइफ टॉट मी', 'योर बेस्ट डे इज टूडे' और अन्य—लाइफ-कोचिंग और सेल्फ-हेल्प श्रेणी में आती हैं। ये किताबें पाठकों को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और चुनौतियों से जूझने की प्रेरणा देती हैं। अभिनेता से लेखक बने अनुपम का यह सफर आज कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

'द वाइव्स' में अहम भूमिका निभाएंगी मौनी रॉय

मुंबई। मुंबई से आई ताजा अपडेट के मुताबिक, अभिनेत्री मौनी रॉय ने निर्देशक मधुर भंडारकर की फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग पूरी कर ली है। इस प्रोजेक्ट को लेकर मौनी खासा उत्साहित हैं और उन्होंने इसे अपने करियर की यादगार फिल्मों में से एक बताया है। फिल्म 'द वाइव्स' में मौनी 'महक' नाम की अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। शूटिंग खत्म होने के बाद अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पर्दे के पीछे की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह फिल्म की पूरी टीम और निर्देशक मधुर भंडारकर के साथ दिखाई दे रही हैं। मौनी ने अपने संदेश में कहा कि भंडारकर के साथ काम करना उनकी ख्वाहिशों की सूची में लंबे समय से शामिल था और अब वह सपना पूरा हो गया है। निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर इस बार सेलिब्रिटी दुनिया की पत्नियों के जीवन पर रोशनी डालने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में बॉलीवुड के चमक-दमक भरे चेहरे के पीछे छिपी असल भावनाओं और संघर्षों को दिखाया जाएगा। इस फिल्म में मौनी रॉय के अलावा सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा बाकी है। वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी जल्द ही क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'अब होगा हिसाब' में भी दिखाई देंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहीर शेख और निमृत कौर अहलूवालिया मुख्य भूमिकाओं में होंगे।

मॉडर्न रिलेशनशिप्स पर सिद्धांत चतुर्वेदी का बयान

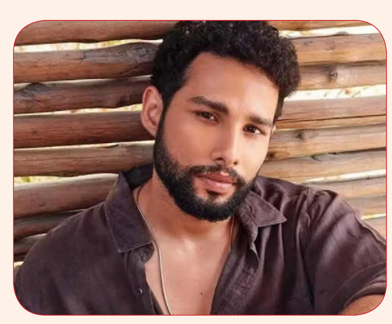

मुंबई। मुंबई में अपनी आगामी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के प्रमोशन के दौरान अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने मॉडर्न रिलेशनशिप्स और जेन ज़ी के प्यार को लेकर खुलकर बात की। उनका साफ कहना है कि आज की पीढ़ी कन्फ्यूज़ नहीं है, बल्कि प्यार का अंदाज बदल गया है।

सिद्धांत के मुताबिक, यह किसी एक जेनेरेशन की समस्या नहीं बल्कि समय के साथ आया इवोल्यूशन है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने रोमांस की परिभाषा ही बदल दी है। अब भावनाएं सामने तो आती हैं, लेकिन स्क्रीन के जरिए। लोग स्टोरी, गाने और पोस्ट के जरिए इशारों में अपनी बात कह देते हैं और फिर इंतजार करते हैं कि सामने वाला उसे देखे या नहीं। पुराने दौर को याद करते हुए सिद्धांत ने मुस्कुराकर कहा कि पहले भी कन्फ्यूजन था, लेकिन अलग तरह का। तब सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए यह जानना मुश्किल होता था कि सामने वाला क्या महसूस करता है। स्कूल के बाहर खड़े होकर सिर्फ एक झलक का इंतजार करना और नजर मिलने के बाद दिल की धड़कनें तेज हो जाना—वही छोटे पल सबसे खास होते थे। आज की डेटिंग कल्चर पर उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि अब रिश्तों के साथ कई नए शब्द जुड़ गए हैं—घोस्टिंग, ब्रेडक्रंबिंग और न जाने क्या-क्या। आधा समय तो इनका मतलब समझने में ही निकल जाता है। फिलहाल सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी रोमांटिक फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें वह मृणाल ठाकुर के साथ नजर आएंगे।

बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के 5 आसान तरीके

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा भीड़ में चमके, किशोरावस्था की मुश्किलों को डर के बजाय हिम्मत से पार करे और जीवन में जो चाहे वह हासिल करे, तो आपको उसकी जेब में पैसे नहीं, बल्कि अटूट आत्मविश्वास डालना होगा।

जी हां, आत्मविश्वास सिर्फ एक अच्छी आदत नहीं है, यह सफलता का पहला और सबसे शक्तिशाली हथियार है। अच्छी खबर यह है कि 'सुपर कॉन्फिडेंस' कोई जादू नहीं, बल्कि परवरिश की 5 छोटी-छोटी आदतों का नतीजा है, जिन्हें आप आज से ही शुरू कर सकते हैं।

उन्हें 'चुनने' का मौका दें

अपने बच्चों को छोटे-छोटे निर्णय खुद लेने दें। उदाहरण के लिए, उन्हें पूछें कि वे आज कौन-सी शर्ट पहनना चाहेंगे या नाश्ते में क्या खाना पसंद करेंगे। जब बच्चे अपनी पसंद खुद चुनते हैं, तो उन्हें महसूस होता है कि उनकी राय मायने रखती है। यह 'निर्णय लेने की शक्ति' उनके आत्मविश्वास को धीरे-धीरे मजबूत करती है।

उनकी कोशिश की तारीफ करें

अक्सर हम बच्चों की तारीफ उनके अच्छे ग्रेड या जीत के लिए करते हैं, लेकिन

असली जादू तब होता है जब आप उनकी कोशिश की सराहना करते हैं। अगर वे किसी खेल में हार गए हैं या किसी विषय में कम मार्क्स आए हैं, तो भी कहें, ₹तुमने बहुत मेहनत की, मुझे तुम पर गर्व है।₹ इससे वे हार से नहीं डरेंगे और अगली बार और भी ज्यादा प्रयास करेंगे।

गलतियों को 'सीखने का मौका' मानें

गलतियां करना बिल्कुल सामान्य है। जब आपका बच्चा कुछ गलत करता है, तो उसे डांटने के बजाय, उसे समझाएं कि यह सीखने का एक हिस्सा है। उनसे पूछें, ₹तुमने इस गलती से क्या सीखा?₹ जब बच्चे समझेंगे कि गलती का मतलब 'असफलता' नहीं है, बल्कि 'अगला कदम' है, तो वे नई चीजें आजमाने से नहीं हिचकिचाएंगे।

घर के छोटे कामों में शामिल करें

बच्चों को अपनी उम्र के हिसाब से छोटे-छोटे काम करने की जिम्मेदारी दें- जैसे अपना खिलौना समेटना या अपनी पानी की बोतल भरना। जब वे इन कामों को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं, तो उन्हें 'सक्षम' महसूस होता है। यह 'मैं यह कर सकता हूं' वाली भावना उनके आत्मविश्वास को आसमान तक पहुंचाती है।

बिना शर्त प्यार और समय दें

सबसे जरूरी बात, बच्चों को हमेशा महसूस कराएं कि आपका प्यार किसी शर्त पर निर्भर नहीं करता। भले ही वे कक्षा में फेल हो जाएं या कोई खेल हार जाएं, उन्हें गले लगाएं और कहें, ₹तुम मेरे लिए सबसे खास हो।₹ उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताएं, उनकी बातें सुनें। एक सुरक्षित और प्यार भरा माहौल ही आत्मविश्वास की सबसे मजबूत नींव रखता है।

अगर आप आज से ही ये 5 छोटे कदम उठाना शुरू कर देते हैं, तो आप देखेंगे कि आपका बच्चा न केवल 'सुपर कॉन्फिडेंट' बनेगा, बल्कि जीवन की हर राह पर निडर होकर आगे बढ़ेगा।

हल्दी-काली मिर्च का ड्रिंक रखेगा आपको हेल्दी

हम जो भी खाते हैं और जिस समय खाते हैं, उसका सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ता है। खासकर सुबह के समय हम क्या खाते और पीते हैं, उससे यह तय होता है कि हमारा दिन कैसा बीतेगा। लोग अक्सर अपने दिन की शुरुआत गर्म पानी, मेथी के पानी या ग्रीन टी जैसी हेल्दी ड्रिंक के साथ करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह खाली हल्दी और काली मिर्च का पानी पीना आपके लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा।

अपने दिन की शुरुआत हल्दी और काली मिर्च के पालनके साथ करने से सेहत को कई गजब के फायदे मिलते हैं। यह एक अच्छे दिन की शुरुआत के लिए परफेक्ट ड्रिंक है, जो न सिर्फ आपको दिनभर एनर्जेटिक रखेगा, बल्कि कई बेमिसाल फायदे भी पहुंचाएगा। आइए आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे रोज सुबह खाली पेट काली मिर्च और हल्दी का पानी पीने के फायदों के बारे में-

सेल डैमेज से करे बचाव

सुबह खाली पेट हल्दी और काली मिर्च का पानी पीने से सेल डैमेज से बचाव होता है। दरअसल, इस पानी में एंटीऑक्सीडेंट की भारी मात्रा पाई जाती है, जो शरीर के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। इसमें मौजूद तत्व सेल को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल को खत्म करते हैं, जिससे उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में मदद मिलती है और बीमारियों से बचाव होता है।

सूजन से राहत दिलाए

हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन और काली मिर्च में पाया जाने वाला पिपेरिन, दोनों में नेचुरल एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। ये दोनों मिलकर शरीर में कुछ ऐसे फैक्टर्स और जगहों को ब्लॉक करते हैं, जो लंबे समय तक सूजन का कारण बनते हैं। ऐसे में यह पानी आपके पूरे शरीर में सूजन, दर्द और बेचैनी को कम करने में मदद करता है।

पाचन बेहतर बनाने में मददगार

हल्दी और काली मिर्च का यह कॉम्बिनेशन डाइजेस्टिव एंजाइम्स के प्रोडक्शन में मदद करते हैं, जिससे पाचन को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। हल्दी पित्त प्रोडक्शन को भी बढ़ाती है, जो फैट के पाचन में मदद करता है।

ब्रेन फंक्शन सुधार करें

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो ब्लड ब्रेन बैरियर को पार कर सकते हैं। यह ब्रेन डिराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक के लेवल को बढ़ा सकता है। यह एक प्रोटीन है, जो ब्रेन को नए नर्व सेल और कनेक्शन बनाने में मदद करता है। यह कॉम्बिनेशन याददाश्त में सुधार, मूड में सुधार और उम्र से संबंधित कॉग्नेटिव लॉस से बचाने में मदद कर सकता है।

बीआई एनालिस्ट: डेटा से तय होता है बिजनेस का भविष्य

आज का कारोबारी दौर पूरी तरह डेटा पर टिका है। कंपनियां अब फैसले अंदाजे से नहीं, बल्कि आंकड़ों के आधार पर ले रही हैं। ऐसे समय में डेटा को समझना, उसका विश्लेषण करना और उसे सही रणनीति में बदलना बेहद जरूरी हो गया है। यहीं पर बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट की भूमिका अहम हो जाती है। यह प्रोफेशनल न सिर्फ डेटा की गहराई में जाकर महत्वपूर्ण जानकारियां निकालता है, बल्कि उन्हें ऐसे उपयोगी बिजनेस इनसाइट में बदलता है, जो कंपनी की ग्रोथ, मुनाफे और सुरक्षा को मजबूत बनाते हैं। यही वजह है कि बिजनेस इंटेलिजेंस आज युवाओं के लिए एक आकर्षक, कमाऊ और तेजी से उभरता करियर विकल्प बन चुका है।

बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट का कार्य

बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट डेटा मॉडलिंग, डेटा एनालिसिस, डेटा विज़ुअलाइज़ेशन और एआई-संबंधित स्किल्स और टेक्निक्स का उपयोग करके इनसाइट्स विकसित करते हैं जो कंपनी के मैनेजर्स, एक्ज़िक्यूटिव्ज और डिपार्टमेंट्स को नोटिफाइड स्ट्रैटजी कमर्शियल डिसिजन्स को डेवलप करने में मदद करते हैं। उनकी भूमिका में मुख्य रूप से अपने निष्कर्षों को साझा करने के लिए प्रमुख बेनिफिशियरीज के साथ बातचीत करना भी शामिल है। वे वित्तीय, रोजगार, व्यय और राजस्व रिपोर्ट सहित ऑर्गेनाइजेशनल डेटा का एक्सट्रैक्शन और एनालिसिस करते हैं। उनके काम में रिपोर्ट की गई प्रॉब्लम्स के बारे में डेटा कलेक्शन और ऐसे सॉल्यूशंस की अनुशंसा करना है जो प्रोसेजियर्स एफिशिएंसी और सिस्टम्स एक्ज़िबिशन को बढ़ाते हैं। उनका काम कॉस्ट और प्रॉफिट एनालिसिस भी है। वे मौजूदा स्ट्रैटजी की एफिशिएंसी का एनालिसिस करके मैनेजमेंट और एक्ज़िक्यूटिव्ज को सूचित और प्रशिक्षित करते हैं तथा रिफॉर्म्स को लागू करने में सहायता कर ऑर्गेनाइजेशनल परफॉर्मेंस को बिजनेस के अनुरूप बनाने का काम भी करते हैं। बिजनेस के लिए जरूरी मॉड्यूल्स को अपनाकर टीम मैनेजमेंट में मदद करते हैं। वहीं उनके काम में चैटबोट और एआई जैसे टूल्स को प्रभावी रूप से उपयोग में लाना, डेटा कम्युनिकेशन के लिए वर्कशॉप का आयोजन करना तथा उससे संबंधित रिपोर्ट तैयार करना भी शामिल है।

भविष्य का कैरियर

बीआई एनालिस्ट्स को उनके द्वारा विश्लेषित डेटा से स्पष्ट, उपयोगी इनसाइट पैदा करने के लिए आवश्यक टूल्स प्रदान

किए जा सकते हैं। इससे बीआई एनालिस्ट्स को यह समझने में मदद मिलती है कि वह डेटा वास्तविक व्यावसायिक निर्णयों में कैसे तब्दील हो सकता है। एआई उद्योग की विशाल मात्रा में डेटा को संश्लेषित करने और निर्णयों को सुसंगत कार्य आईबीएम जैसी स्थापित दिग्गज कंपनियों से लेकर स्टार्टअप तक कई शीर्ष तकनीकी कंपनियां इसयोजनाओं में स्वचालन की क्षमता को सशक्त बनाती हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और अन्य दृष्टिकोण का लाभ उठाने की कोशिश कर रही हैं।

ऐसे बनें बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट

आजकल लगभग सभी बड़ी कंपनियों के पास बहुत सारा मूल्यवान डेटा उपलब्ध है। व्यवसाय करने के दौरान और अन्य स्रोतों से एकत्रित डेटा जो उनके संगठन के लिए रिलेवेंट है, बिजनेस को मौजूदा परिस्थिति में मार्केट के लिए तैयार करता है। बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट इन डेटा को समझने, उपयोगी जानकारी खोजने के लिए गहराई से खोज करने, रुझानों की पहचान करने और कार्रवाई योग्य बिजनेस इनसाइट पैदा करने में एक आवश्यक भूमिका निभाते हैं। जिनके पास डेटा से संबंधित प्रैक्टिकल नॉलेज, डेटा एनालिसिस की तकनीकों, एआई और मॉडर्न बिजनेस इंटेलिजेंस का ज्ञान तथा इसके उपयोग में दक्षता हासिल है, वह सफल बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट बन सकते हैं।

कार्य क्षेत्र

वैसे तो बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट सभी बड़ी कंपनियों के लिए जरूरी हैं। फिर भी वे डेटा और आईटी से संबंधित कंपनियों में बिजनेस इंटेलिजेंस डेवलपर, बिजनेस इंटेलिजेंस मैनेजर, डेटा इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट, एआई एनालिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग इंजीनियर तथा डिजाइनर के रूप में कार्य करते हुए शानदार पद और बेहतरीन वेतन के हकदार होते हैं। इस क्षेत्र में कैरियर बनाने वालों के लिए मायफेयर, फॉरेस्टर, वर्जिन आर्बिट, एमआईटी लिकन लैब, गूगल, टिकटॉक, एक्स, हबस्पॉट, जॉनसन एंड जॉनसन, बार्न्स एंड नोबल जैसे संस्थानों में ढेरों अवसर हैं।

आवश्यक शैक्षणिक योग्यता

बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट के रूप में कैरियर बनाने के इच्छुक युवाओं के पास कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी, कमर्शियल मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, डेटा एनालिटिक्स, डेटा साइंस, फाइनेंस, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, गणित, जैविक विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। लेकिन यदि इसके बाद स्पेशलाइजेशन हो तो बेहतर होता है।

इस क्षेत्र में श्रेष्ठता हासिल करने के लिए युवाओं को बीआई एनालिस्ट इंडस्ट्री सर्टिफिकेशन करना मददगार साबित होता है। इसके अलावा बीआई सर्टिफाइड डिजाइनर, बीआई कॉग्नोस एनालिटिक्स का सर्टिफिकेशन जैसे विकल्प भी उपलब्ध हैं। माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां इसके लिए आवश्यक सर्टिफिकेशन भी प्रदान करती हैं। मास्टर डिग्री के साथ डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमएस भी किया जा सकता है।

अतिरिक्त योग्यताएं

समझदार युवा डिग्री के साथ-साथ मार्केट के बदलते ट्रेंड के अनुरूप अतिरिक्त योग्यताएं और अनुभव भी हासिल करते रहते हैं। इससे इनके कैरियर निर्माण की राह ज्यादा आसान और सफल होती है। इस क्षेत्र के लिए एक्सेल, पावर बीआई, एसक्यूएल / पायथन / आर / सी++ / एसएएस, एल्गोरिदम की समझ, डेटा बेस मैनेजमेंट, डेटा एनालिसिस, क्वांटिटेटिव एनालिसिस, डेटा विज़ुअलाइज़ेशन, रिपोर्टिंग और प्रेजेंटेशन स्किल के साथ कॉम्प्रिहेंसिव बिजनेस स्किल तथा बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिसिस सॉफ्ट स्किल्स जैसी अतिरिक्त योग्यताएं बहुत उपयोगी साबित होती हैं। इन सबके साथ समस्या को सुलझाना, रचनात्मकता, ऑर्गेनाइजेशनल मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट, लीडरशिप क्वालिटी का होना एक सफल कैरियर की गारंटी प्रदान करता है।

महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थान

आईआईएम बैंगलुरु, आईआईएम कोलकाता, आईआईएम खड़गपुर, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस हैदराबाद, एनएमआईएमएस स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, मुंबई, तक्षशिला बिजनेस स्कूल जयपुर, ग्रेट लेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट चेन्नई, एसपी जैन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट मुंबई, एक्सएलआरआई,चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी।

वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर को ऐतिहासिक बनायें : अपर जिला जज

22 फरवरी को दीनदयाल सभागार में होगा मेगा विधिक सेवा शिविर का भव्य आयोजन

विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल लगाकर दी जायेगी जानकारी

न्याय और प्रशासन का उद्देश्य जनसेवा, समन्वय से पात्रों तक पहुँचाएं सरकारी योजनाएँ

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी श्रीमती कमलेश कच्छल के कुशल मार्गदर्शन में आगामी 22 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले "वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर" को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से विकास भवन सभागार में जिले के समस्त विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिला जज/नोडल अधिकारी श्री शरद कुमार चौधरी ने सभी विभागों से अपील करते हुए कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार आयोजित इस मेगा विधिक सेवा शिविर को ऐतिहासिक बनाया जाए। उन्होंने बताया कि 22 फरवरी को दीनदयाल सभागार में आयोजित होने वाले इस शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजन के लिए संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल लगाए जाएंगे तथा पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रतीक त्रिपाठी ने कहा कि "न्याय और प्रशासन का उद्देश्य एक ही है—जनसेवा।" उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों से आपसी समन्वय स्थापित कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन केवल जागरूकता के माध्यम से ही संभव है और इसके लिए सभी विभागों को एक टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल एवं सेवाओं की जानकारी दी गई, जिनमें राजस्व विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना एवं दैवीय आपदा से संबंधित योजनाएं, शिक्षा विभाग द्वारा निराश्रित बच्चों की शिक्षा एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम, राजकीय आईटीआई द्वारा कौशल विकास मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण, प्रोबेशन विभाग द्वारा महिलाओं को पेंशन वितरण, पूर्ति विभाग द्वारा खाद्यान्न वितरण, मत्स्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, नगरीय विकास अभिकरण द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, पुलिस विभाग द्वारा मिशन शक्ति व हेल्पलाइन सेवाएं, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार साहित्य, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, पोटली वितरण एवं मेडिकल कैंप के माध्यम से बीपी, शुगर आदि की जांच, कृषि विभाग द्वारा किसान सम्मान निधि, बैंक सहायता ऋण योजना, नाबार्ड एवं राजकीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक से संबंधित योजनाएं, पशु एवं फसल बीमा, समाज कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, महिला एवं बाल कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, पंचायती राज, जल शक्ति विभाग, उद्योग, लघु कुटीर सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, विद्युत, नेडा, युवा कल्याण, संस्कृति, श्रम, परिवहन, डाक सहित अन्य विभागों द्वारा मौके पर ही स्टॉल लगाकर सेवाएं एवं लाभ प्रदान किए जाएंगे। बैठक में एडीएम नमामि गंगे श्री योगेन्द्र कुमार, जिला विकास अधिकारी श्री सुनील कुमार, सीओ सिटी श्री रामवीर सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए श्री राजेश कुमार, डीसी मनरेगा श्री शिखर श्रीवास्तव, उपनिदेशक संग्रहालय डॉ. मनोज कुमार गौतम, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री सुरेंद्र कुमार पटेल, जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती रती वर्मा, सहायक अभियंता जल निगम सुश्री शिल्पी वर्मा, सहायक आयुक्त उद्योग सुश्री प्रज्ञा वर्मा, प्रधानाचार्य आईटीआई श्री एस.के. श्रीवास्तव, सहायक निदेशक सूचना श्री सुरजीत सिंह, सहायक श्रम आयुक्त सुश्री दीपिका वर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी श्रीमती सौम्या अग्रवाल, प्रवर अधीक्षक डाक, विद्युत विभाग, एलडीएम, नाबार्ड सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

लैंबोर्गिनी कार हादसा

तंबाकू कारोबारी का बेटा शिवम मिश्रा कोर्ट से रिहा

संवाददाता

कानपुर। एसीजेएम 7 अमित सिंह की कोर्ट ने तंबाकू कारोबारी के बेटे शिवम मिश्रा को न्यायिक हिरासत में लेने का प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा पुलिस गलत तरीके से शिवम मिश्रा को गिरफ्तार कर लाया गया है। विवेचक को भी फटकार लगाई। शिवम को 20 हजार रुपये का व्यक्तिगत बांड लेकर छोड़ दिया गया है। लैंबोर्गिनी कार से हुए हादसे में पुलिस का नोटिस न लेने व विवेचना में सहयोग न करने पर गुरुवार सुबह ग्वालटोली थाने की पुलिस शिवम को गिरफ्तार कर कोर्ट लाई थी। रविवार को तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा के बेटे शिवम मिश्रा की लैंबोर्गिनी कार से वीआइपी रोड पर हादसा हो गया था। इसमें तौफीक घायल हो गया था। उसकी तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी। सोमवार को ही कार चालक दिल्ली के द्वारका निवासी मोहन एम की तरफ से कोर्ट में सरेंडर प्रार्थनापत्र दिया गया था। वसंत विहार साउथ वेस्ट दिल्ली निवासी कार मालिक शिवम मिश्रा ने कोर्ट में कार रिलीज करने का प्रार्थना पत्र दिया था। बुधवार को दोनों ही प्रार्थनापत्रों पर सुनवाई हुई थी। कार चालक ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। कोर्ट में पुलिस ने आख्या दी कि मोहन एम इस मामले में आरोपित नहीं है। इस मामले में वांछित आरोपित शिवम मिश्रा है। कार रिलीज के बारे में रिपोर्ट दी कि शिवम मिश्रा ने विवेचक को कार के कागजात मुहैया नहीं कराए हैं। इस पर कोर्ट ने चालक का आत्मसमर्पण का प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया था।

बीएनआई राइजिंग स्टार प्रतियोगिता में बाल भारती पब्लिक स्कूल सीपत का शानदार प्रदर्शन

सुनील चिंचोलकर

सीपत/बिलासपुर। बीएनआई बिलासपुर के तत्वावधान में आयोजित प्रतिष्ठित 'राइजिंग स्टार' एवं 'बिलासपुर गॉट टैलेंट' प्रतियोगिता में बाल भारती पब्लिक स्कूल, सीपत के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

एकल गायन प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं के छात्र आर्य चौरसिया ने अपनी सुमधुर प्रस्तुति से निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा 'राइजिंग स्टार ऑफ बिलासपुर' के खिताब से सम्मानित हुए। वहीं कक्षा सातवीं के ही छात्र धैर्य तिवारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान अर्जित किया।

'बिलासपुर गॉट टैलेंट' श्रेणी में कक्षा पाँचवीं के छात्र अरिहंत ने कीबोर्ड वादन में उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही विद्यालय की छात्राएँ वरेण्या सिंह, अनिष्का सिंह एवं मीहिका ने भी कीबोर्ड वादन में सराहनीय सहभागिता कर प्रशंसा अर्जित की।

विद्यालय की उपलब्धियों की श्रृंखला में कक्षा दूसरी के मेधावी छात्र आदित ढांडा ने शैक्षणिक सत्र 2025–26 में आयोजित NSTSE ओलंपियाड परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर सातवाँ रैंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि के लिए उन्हें मोमेंटो एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य शलभ निगम ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे उनके अनुशासन, निरंतर अभ्यास एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया। उन्होंने संगीत शिक्षक साईं गणेश राव के योगदान की विशेष सराहना की। इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में हर्ष और गर्व का माहौल व्याप्त है।

उत्तर भारत से ठंड की विदाई, पहाड़ों पर बर्फबारी का अलर्ट, कई राज्यों में आंधी-बारिश की चेतावनी

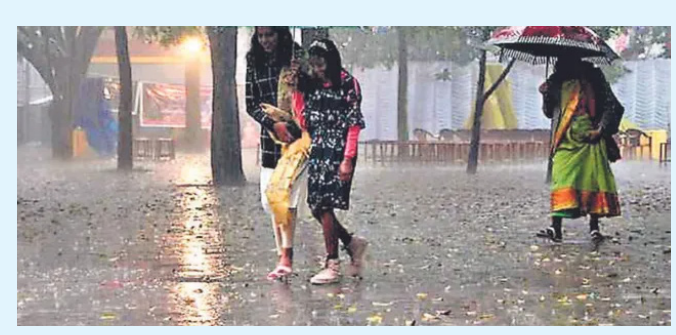

संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत में ठंड की विदाई होने वाली है, हर दिन तापमान में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। इन्हीं संकेतों के बीच मौसम विभाग ने दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में पहाड़ी इलाकों में बराबरी हो सकती है। साथ ही 13 से 19 फरवरी तक कई राज्यों में मौसम बिगड़ सकता है। दिल्ली एनसीआर की बात करें तो यहां आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। बादलों की वजह से सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस हो सकती है। वहीं 15 फरवरी के बाद आंधी और बारिश की भी चेतावनी दी गई है। यूपी और बिहार की बात करें तो मौसम साफ रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, एटा, फतेहपुर, गौतम नगर, गाजियाबाद, हाथरस में हल्का कोहरा छाया रह सकता है। वहीं पटना, गया, चंपारण, भोजपुर, मधुबनी और पूर्णिया में बादल साफ रहेंगे। पहाड़ों की बात करें तो उत्तराखंड मैं 16-17 फरवरी को भारी बारिश के साथ तेज हवाओं की संभावना है। खासकर, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, पौड़ी गढ़वाल जिलों में। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में आज मौसम साफ रहेगा लेकिन 15 फरवरी के बाद से बादल छाए रहेंगे और ऊंचाई वाले इलाकों में तेज हवा और बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है।

बंगाल में पोस्ट-पोल हिंसा मामले में साल 2021 से फरार आरोपित नजीर गिरफ्तार

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में साल 2021 के चुनाव परिणाम के बाद (पोस्ट-पोल) हुई हिंसा मामले में फरार आरोपित नजीर हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। वह 4 साल से फरार था। उसे राज्य के उत्तर 24 परगना जिले में उसके परिजन के घर से दबोचा गया। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर पोस्ट-पोल हिंसा मामलों की जांच शुरू की थी। इनमें से एक मामले में आरोप था कि नजीर हुसैन ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और मस्जिद की जमीन पर क्लब हाउस निर्माण को लेकर हुए विवाद के चलते अन्य आरोपितों के साथ मिलकर 2 मई 2021 की सुबह हसनुर जमान को घेर कर हथियारों, बमों और लोहे की रॉड से हत्या कर दी थी। इस मामले में नजीर हुसैन समेत 12 अन्य आरोपितों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और भारतीय विस्फोटक अधिनियम की विभिन्न धाराओं में आरोपपत्र दाखिल किया गया था। मामला वर्तमान में बारासात की अदालत (एडीजे-IV) में विचाराधीन है। सीबीआई की तरफ से बताया गया कि नजीर हुसैन शुरुआत से ही गिरफ्तारी से बचता रहा। उसे खुफिया जानकारी और तकनीकी इनपुट के आधार पर गिरफ्तार किया गया।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वंदेमातरम् से संबंधित अधिसूचना वापस लेने की मांग की

संवाददाता

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने केंद्र सरकार की हाल की वंदे मातरम के पाठ को लेकर जारी की गई अधिसूचना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। सरकार की अधिसूचना में सरकारी समारोहों और स्कूलों में राष्ट्रगान जन गण मन से पहले वंदे मातरम के सभी छंद का पाठ अनिवार्य कर दिया गया है। बोर्ड ने इस फैसले को असंवैधानिक और धार्मिक स्वतंत्रता के विपरीत बताया है। बोर्ड के महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहीम मुजद्दी ने सरकार के निर्णय को असंवैधानिक, धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के विरुद्ध, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के विपरीत तथा मुसलमानों की धार्मिक मान्यताओं के सीधे विरोधाभासी बताया। उन्होंने कहा कि इसलिए यह निर्णय मुसलमानों के लिए पूरी तरह से अस्वीकार्य है। मौलाना ने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह और संविधान सभा में विचार-विमर्श के बाद यह सहमति बनी थी कि वंदे मातरम के केवल पहले दो छंदों का ही प्रयोग किया जाएगा। एक धर्मनिरपेक्ष सरकार एक धर्म की मान्यताओं या शिक्षाओं को अन्य धर्मों के अनुयायियों पर जबरन नहीं थोप सकती।

केंद्र सरकार ने आंशिक रूप से चालू एक्सप्रेसवे पर टोल की दरों को घटाया

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग टोल शुल्क नियमों में संशोधन कर आंशिक रूप चालू राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे में टोल टैक्स की दरों को घटा दिया है। नए प्रावधान के तहत यदि कोई एक्सप्रेसवे पूरी तरह से चालू नहीं है और केवल आंशिक रूप से खुला है, तो उस पर टोल शुल्क राष्ट्रीय राजमार्ग की दरों के अनुसार कम दर पर लिया जाएगा। संशोधित नियम 15 फरवरी से लागू होंगे।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, वर्तमान में एक्सप्रेसवे पर टोल शुल्क सामान्य राष्ट्रीय राजमार्गों की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक लिया जाता है, क्योंकि ये नियंत्रित पहुंच वाले, तेज और सुगम यात्रा का अनुभव प्रदान करते हैं। लेकिन अब आंशिक रूप से चालू एक्सप्रेसवे पर यह शुल्क कम दर पर लिया जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि इस संशोधन का उद्देश्य लोगों को खुले हुए हिस्सों पर यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे पुराने राष्ट्रीय राजमार्गों पर भीड़ कम होगी, लॉजिस्टिक्स और यात्रियों की आवाजाही तेज होगी और ट्रैफिक जाम से होने वाले प्रदूषण में कमी आएगी। केंद्र सरकार ने हाल ही में इसके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दर निर्धारण और संग्रहण) (संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित किया है। यह नियम एक वर्ष तक लागू रहेगा या फिर तब तक जब तक संबंधित एक्सप्रेसवे पूरी तरह से चालू नहीं हो जाता, जो भी पहले हो।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने दी दरगाह के अंदर मौजूद शिवलिंग की पूजा करने की अनुमति

संवाददाता

कलबुर्गी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने आलन्द टाऊन में एक दरगाह के अंदर मौजूद शिवलिंग की महाशिवरात्रि पर्व पर पूजा करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट के इस फैसले से हिंदू पक्ष को बड़ी राहत मिली है। सिद्ध रामैया हीरेमठ की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पिछले साल की तरह इस साल भी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन सीमित लोगों के साथ शिवलिंग की पूजा करने की अनुमति दे दी।

इससे पहले आज सुबह दरगाह कमेटी ने हिन्दू संगठनों को पूजा करने की अनुमति न देने की अपील करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था लेकिन चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच ने ये कहते हुए याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया कि ऐसी हर याचिका की सुनवाई अगर सीधे सुप्रीम कोर्ट में होने लग जाएगी तो ये गलत संदेश जाएगा कि हाई कोर्ट बेकार हो चुके हैं। हालांकि अपनी याचिका में दरगाह कमेटी की ओर से कहा गया था कि वहां पर जो हो रहा है वो कोर्ट से अंतरिम आदेश लेकर किसी धार्मिक जगह का चरित्र बदलने का एक कोऑर्डिनेटेड पैटर्न है। विवाद के केंद्र में जो दरगाह है, वह 14वीं सदी के सूफी संत, हजरत शेख अलाउद्दीन अंसारी (जिन्हें लाडले मशाइक के नाम से भी जाना जाता है) और 15वीं सदी के हिंदू संत राघव चैतन्य से जुड़ी है, दोनों के अवशेष इसी जगह पर हैं। राघव चैतन्य शिवलिंग नाम का एक ढांचा भी इसी जगह पर है। मुसलमान और हिंदू दोनों ही इस जगह पर पूजा करते थे। हालांकि, 2022 में पूजा के अधिकार को लेकर सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया, जब कुछ बदमाशों ने कथित तौर पर शिवलिंग पर मल फेंक दिया। फरवरी 2025 में, कर्नाटक हाई कोर्ट ने हिंदू समुदाय के 15 सदस्यों को राघव चैतन्य शिवलिंग पर शिवरात्रि पूजा करने की इजाज़त दी थी। यह भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच किया गया था। कोर्ट के आदेश के आधार पर, शिवरात्रि के मौके पर बिना किसी अनहोनी के हिंदू पूजा की गई थी, जिसमें 15 हिंदुओं को दरगाह परिसर में घुसने और रस्में करने की इजाज़त दी गई थी। इस साल भी कोर्ट ने इसी तर्ज पर आदेश पारित किया है। हालांकि अपनी याचिका में दरगाह कमेटी की ओर से कहा गया था कि वहां पर जो हो रहा है वो कोर्ट से अंतरिम आदेश लेकर किसी धार्मिक जगह का चरित्र बदलने का एक कोऑर्डिनेटेड पैटर्न है। विवाद के केंद्र में जो दरगाह है, वह 14वीं सदी के सूफी संत, हज़रत शेख अलाउद्दीन अंसारी (जिन्हें लाडले मशाइक के नाम से भी जाना जाता है) और 15वीं सदी के हिंदू संत राघव चैतन्य से जुड़ी है, दोनों के अवशेष इसी जगह पर हैं। राघव चैतन्य शिवलिंग नाम का एक ढांचा भी इसी जगह पर है। मुसलमान और हिंदू दोनों ही इस जगह पर पूजा करते थे।

दूरदर्शन की दिग्गज एंकर सरला माहेश्वरी का निधन

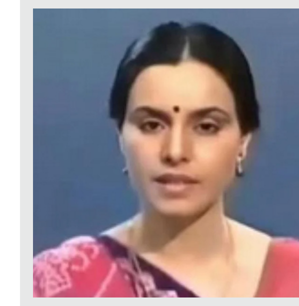

संवाददाता

नई दिल्ली। दूरदर्शन की वरिष्ठ और चर्चित समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का 71 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह 1980 और 1990 के दशक में डीडी न्यूज का बेहद लोकप्रिय चेहरा रहीं और अपनी सधी हुई आवाज, सटीक उच्चारण और गरिमामय प्रस्तुति के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने 1976 से 2005 तक दूरदर्शन पर काम किया और भारतीय टीवी समाचार के शुरुआती दौर में विश्वसनीय एंकर के रूप में खास पहचान बनाई। उनके निधन को टीवी पत्रकारिता के एक स्वर्णिम युग का अंत माना जा रहा है।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक- सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं. १४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रूज (पूर्व), मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। **संपादक सुनील कुमार तिवारी,** RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, **संपादकीय कार्यालयः कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साईं बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051, Mob. 8898271111**